सुविचार
कोई भी उस व्यक्ति से प्रेम नहीं करता, जिससे वो डरता है।
अरस्तु

दैनिक **रेवांचल टाइम्स**
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 177 ■ जबलपुर, रविवार 22 जून 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये

ईरान से 310 भारतीयों को लेकर एक और फ्लाइट दिल्ली पहुंची

इजराइली हमले में एक और ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट की मौत : 3 कमांडर भी मारे गए

तेहरान/तेल अवीव। इजराइल ने ईरान के एक और न्यूक्लियर साइंटिस्ट की हत्या कर दी है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, साइंटिस्ट इसार तबातबाई-कमशेह और उनकी पत्नी की मौत शुक्रवार को तेहरान में एक अपार्टमेंट पर ड्रोन हमले में हुई थी। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इजराइल 13 जून से अब तक 10 ईरानी न्यूक्लियर साइंटिस्ट्स की हत्या कर चुका है। इजराइल डिफेंस फोर्स (IDF) ने शनिवार को ईरानी सेना के 3 कमांडरों और 4 जवानों को भी मारने का दावा किया है। इधर, ईरान के मशहद से एक और फ्लाइट शनिवार शाम 4:30 बजे 310 भारतीय नागरिकों को लेकर दिल्ली पहुंची। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पर बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 827 भारतीयों को निकाला जा चुका है।

ईरान में 13 जून से अब तक 657, इजराइल में 24 की मौत

अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3,500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। वहीं, इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं।

इजराइली हमले में पूर्व हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के बॉडीगार्ड की मौत

लेबनानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान पर इजराइली हमले में हिजबुल्लाह के पूर्व चीफ हसन नसरल्लाह के बॉडीगार्ड अबू अली खलील की मौत हो गई है।

तुर्किये ने ईरान को अमेरिका के साथ परमाणु बातचीत करने को कहा

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने ईरान को अमेरिका के साथ परमाणु बातचीत फिर से शुरू करने को कहा है। उन्होंने कहा- मौजूदा संघर्ष का समाधान निकालने का एकमात्र तरीका बातचीत ही है। इजराइल को तुरंत रोका जाना बहुत जरुरी है। तुर्किये ने कहा कि वे परमाणु वाताओं को फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने को तैयार है।

ईरान ने माना- जर्मन साइकिलिस्ट को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया

ईरान ने पहली बार माना है कि उसने एक जर्मन साइकिलिस्ट को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया है। आरोपी की पहचान मारेक कॉफमैन के रूप में की गई है। उसने खुद को दोहरी नागरिकता वाला यहूदी पर्यटक बताया है। ईरानी सेना से जुड़ी मेहर न्यूज एजेंसी ने शुक्रवार को साइकिलिस्ट का एक वीडियो जारी किया था, जिसमें उसने ईरान के मिलिट्री ठिकाने की फुटेज रिकॉर्डर करने की बात स्वीकार की है। ईरान का दावा है कि कॉफमैन अमेरिकी और यहूदी कमांडरों के संपर्क में था, जिन्होंने उसे निर्देश दिया था कि उसे कहां जाना है।

इजराइली हमले से ईरान के बंदर-ए-महशहर में भारी नुकसान

इजराइल ने अपने ताजा हमलों में ईरान के बंदर-ए-महशहर इलाके को भी निशाना बनाया है। महशहर में ईरानी सैन्य ठिकानों को हमले के कारण भारी नुकसान पहुंचा है। बंदर-ए-महशहर अपनी एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर और पेट्रोकेमिकल फैसिलिटीज के लिए मशहूर है।

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में खड़े होकर टीचर लेंगे सेल्फी तभी लगेगी उनकी हाजिरी

भोपाल। मास्टर साहब अब बिना स्कूल जाए हाजिरी नहीं लगा पाएंगे। उन्हें स्कूल में मुंह दिखाना ही होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने ई-गवर्नेंस के तहत 'हमारे शिक्षक' प्रणाली शुरू की है। शिक्षकों को अब स्कूल पहुंचकर अपनी सेल्फी लेकर इस सिस्टम पर अपलोड करना होगा। इस सेल्फी के साथ उनकी लोकेशन भी पोर्टल में दर्ज हो जाएगी। स्कूल का समय खत्म के बाद भी इसी तरह दोबारा उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

शिक्षकों के लिए स्कूल में हाजिरी का नया नियम

दरअसल, स्कूल शिक्षा विभाग ने एक जुलाई से हाजिरी का यह नया नियम अनिवार्य कर दिया है। यह प्रणाली शिक्षा पोर्टल 3.0 पर उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक शिक्षक के मोबाइल पर इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज होगी। शिक्षकों को प्रतिदिन स्कूल के निर्धारित समय के एक घंटे बाद तक उपस्थिति दर्ज करानी होगी। स्कूल बंद होने के समय से आधा घंटा पहले से आधा घंटा बाद तक स्कूल से वापसी की उपस्थिति दर्ज की जाएगी। निर्धारित समय सीमा के बाद उपस्थिति दर्ज करने पर आधा दिन का आकस्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा। शिक्षकों को 13 आकस्मिक अवकाश व तीन ऐच्छिक अवकाश से समायोजन किया जा सकेगा। 23 जून से 30 जून तक इसका प्रायोगिक परीक्षण शुरू हो रहा है। इसके बाद 1 जुलाई से इससे उपस्थिति अनिवार्य होगी। इससे जो शिक्षक अपने स्थान पर दूसरों को पढ़ाने भेजते हैं या अनुपस्थित रहते हैं, उस पर लगाम लग सकेगी। नए निदेशों के मुताबिक इसकी निगरानी जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे।

अपनी जगह दूसरों से पढ़वा रहे शिक्षक

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर सवाल खड़े होते रहते हैं। पिछले दिनों सागर, नर्मदापुरम सहित कई जिलों में ऐसे शिक्षक पकड़े गए, जो अपनी जगह पर दूसरों से पढ़ाई करवा रहे थे। वहीं कुछ शिक्षक स्कूलों के निर्धारित समय पर नहीं पहुंचते हैं।

बार-बार फेल होती है हाजिरी की ऑनलाइन व्यवस्था

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 2017, 2020 और 2022 में आनलाइन उपस्थिति शिक्षा मित्र एप के जरिए शुरू की गई थी, लेकिन शिक्षकों ने इस प्रक्रिया का विरोध किया। कभी स्मार्ट फोन तो कभी नेटवर्क का बहाना बनाकर आनलाइन उपस्थिति की प्रक्रिया ठीक से लागू नहीं हो पाई।

विशेष उपलब्धि के रूप में होगी उपस्थिति दर्ज

शिल्पा गुप्ता, आयुक्त,डीपीआई के मुताबिक, इस सिस्टम के माध्यम से जिन स्कूलों के शिक्षक नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करेंगे, उनके सेवा अभिलेख में विशेष उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा। भविष्य में ऐसे स्कूलों और शिक्षकों के लिए विशेष प्रविधान किए जाएंगे। शिक्षक अवकाश का आवेदन भी इसी प्रणाली से करेंगे। शासन से किसी भी प्रकार का पत्राचार इसके माध्यम हो जाएगा। शिक्षकों की उपस्थिति 1 जुलाई से अनिवार्य रूप से ऑनलाइन दर्ज होगी। इसके लिए नई प्रणाली तैयार की गई है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बोले P M मोदी

तनाव की स्थिति में योग ही शांति की राह दिखाता है

विशाखापत्तनम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दुनिया भर में तनाव की स्थिति से अशांति तथा अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग ही हमें शांति का रास्ता दिखाता है। पीएम मोदी ने यहां 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को शांत, संतुलित और सतत विकास की ओर अग्रसर विश्व के निर्माण की दिशा में बढना चाहिए। योग ही विश्व में टकराव की जगह सहयोग और तनाव की जगह समाधान की ओर ले जा सकता है। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य रूस-यूक्रेन और ईरान- इजरायल युद्ध के चलते विभिन्न देशों में पैदा हुए टकराव को देखते हुए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा,ह्ल दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। मैं विश्व समुदाय से आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक आग्रह करूंगा। आज के इस दिन से मानवता के लिए एक बार फिर नयी शुरूआत होनी चाहिए। योग सिर्फ व्यक्तिगत अभ्यास न रहे, बल्कि वैश्विक साझेदारी का माध्यम बने। सभी देश, हर समाज, योग को जीवनशैली और लोकनीति का हिस्सा बनाए। हम मिलकर एक शांत, संतुलित और सतत विश्व को गति दें। योग ही विश्व को टकराव से सहयोग, और तनाव से समाधान की ओर ले जाएगा। योग को जीवन का सार बताते हुए कहा कि ह्य मैं से हमह्ल का भाव ही भारत की आत्मा का सार है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है। उन्होंने कहा , ह्ल भारत की संस्कृति हमें सिखाती है, सर्वे भवन्तु सुखिन, यानी सभी का कल्याण ही मेरा कर्तव्य है। ह्यमैंह्ल से ह्यहमह्ल की ये यात्रा ही सेवा, समर्पण और सह-अस्तित्व का आधार है। यही सोच सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती है ।ह्व पीएम मोदी ने योग को जन आंदोलन बनाने की अपील करते हुये कहा ह्लआईये हम सब मिलकर योग को एक जन आंदोलन बनाये एक ऐसा आंदोलन जो विश्व को शांति, स्वास्थ्य और समरसता की ओर से ले जाये जहां हर व्यक्ति दिन की शुरूआत योग से करे और जीवन में संतुलन पाये। जहां हर समाज योग से जुड़े और तनाव से मुक्त हो जहां योग मानवता को एक सूत्र में पिराने का माध्यम बने और जहां योग फॉर वनअर्थ, वन हैल्थ (एक धरती एक स्वास्थ्य के लिए योग)एक वैश्विक संकल्प बन जाए। प्रधानमंत्री ने योग को पूरी दुनिया के लिए शांति, समरसता और स्वास्थ्य का आंदोलन बनाने का आह्वान किया और कहा कि भारत विश्व भर में योग के प्रचार प्रसार के लिए इसमे निहित विज्ञान को आधुनिक अनुसंधान के माध्यम से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि योग को आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्थान दिलाने का प्रयास चल रह है। प्रधानमंत्री ने कहा ह्ल राष्ट्रीय आयुर्वेद मिशन के जरिए भी योग और वेलनेश के मंत्र को आगे बढ़ाया जा रहा है और इसमें डिजिटल प्राद्योगिकी की भी मदद ली गई है।

गुवाहाटी से चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। गुरुवार को गुवाहाटी से चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए 6764 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बताया जा रहा है कि इस विमान में फ्यूल की कमी के कारण ये पायलट ने ये फैसला लिया।

दरअसल, पायलट द्वारा 'फ्यूल मेडे' कॉल किया गया। इसके तुरंत बाद विमान को बेंगलुरु की ओर मोड़ा गया। जहां पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। बताया जा रहा है कि चेन्नई एयरपोर्ट पर भीड़भाड़ के कारण विमान को समय पर वहां उतरने से रोका गया। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, आपातकालीन मार्ग परिवर्तन के दौरान विमान में यात्री सवार थे।

इजरायल के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता के लिए अमरीका पर भरोसा नहीं कर सकते

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची ने कहा है कि उनके देश को ये यकीन नहीं है कि वो इजरायल के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता करने के लिए अमरीका पर भरोसा करे या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की समझौता वार्ता ईरान पर इजरायली हमले को ह्लकवरह्व करने के लिए थी। अराग्ची ने शुक्रवार को एनबीसी न्यूज के साथ साक्षात्कार में अमेरिका पर ह्लकूटनीति के साथ विश्वासघातह्व करने का आरोप लगाया और कहा कि अमरीकी अधिकारियों को ह्व समझौता वार्ता में समाधान निकले इसके प्रति अपना दृढ़ संकल्प दिखाना चाहिए।ह्व उन्होंने कहा, ह्लहम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अमरीका की समझौता वार्ता वास्तव में इजरायल द्वारा किए गए हमलों के समर्थन के लिए थी।ह्व ह्लहमें नहीं पता कि हम अब अमेरिका पर कैसे भरोसा कर सकते हैं। इजरायल ने हाल ही में ईरान पर कई हवाई हमले किए जिसमें देश के सबसे बड़े परमाणु स्थल इस्फहान परमाणु अनुसंधान परिसर को निशाना बनाया गया। ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की कि कुछ बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई खतरनाक रिसाव नहीं हुआ। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कथित तौर पर ईरान के कोम प्रांत में एक आवासीय इमारत को भी निशाना बनाया, जिसके कारण दो नागरिकों की मौत हो गई, चार घायल हो गए और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। अराग्ची 57 देशों के इस्लामिक सहयोग संगठन की शनिवार को होने वाली बैठक से पहले शुक्रवार रात तुर्की पहुंचे, जहां उन्होंने ह्लइजरायली आक्रामकताह्व की निंदा की। उन्होंने इस्तांबुल में ईरानी मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह ह्लईरानी लोगों की मासूम और नेक आवाज को सुनाने के लिए इस अवसर का पूरा उपयोग करेंगे।ह्व अराग्चीने कहा कि उनकी तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और अन्य अधिकारियों से मिलने की भी योजना है।

30 जून तक पूरी करनी होगी जांच प्रक्रिया, CBI जांच में फेल सहित अपात्र कॉलेज रडार पर

M P में नर्सिंग कॉलेजों का होगा फिजिकल सत्यापन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने सभी जिला दंडाधिकारियों को पत्र लिखकर शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए आवेदन करने वाली नई नर्सिंग संस्थाओं, सीबीआई व उच्च न्यायालय द्वारा डिफिशिएंट (कमी वाली) व अन सूटेबल (अनुपयुक्त) पाई गई संस्थाओं, और सीबीआई जांच से बची हुई संस्थाओं का फिजिकल सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। यह निरीक्षण 30 जून 2025 तक अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा।

निरीक्षण के लिए सख्त निर्देश

विभाग ने पत्र में बताया है कि पूर्व में कई निरीक्षणों के दौरान नर्सिंग कॉलेजों द्वारा फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अलावा, कई कॉलेज दूरस्थ इलाकों में स्थापित पाए गए हैं, जिससे निरीक्षण दलों को उन्हें ढूंढने और वहां तक पहुंचने में कठिनाई होती है। न्यायालय द्वारा भी इस संबंध में समय-समय पर निर्देश दिए गए हैं, जिसके मद्देनजर इन निरीक्षणों को समय-सीमा में पूरा करना अनिवार्य है।

निरीक्षण के लिए गठित होंगी संयुक्त टीमें

इस बार निरीक्षण की प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय और न्यायसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य विभाग से चिकित्सक, वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी और राजस्व विभाग से S D M/तहसीलदार की संयुक्त निरीक्षण समिति गठित की जाए। यह टीम तय प्रारूप के अनुसार हर एक संस्थान का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करेगी। सभी संस्थानों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पहले ही स्वीकार किए जा चुके हैं, और निरीक्षण रिपोर्ट ई-पर भेजनी होगी। साथ ही प्रिंटेड रिपोर्ट और दस्तावेजों की हार्डकॉपी भोपाल स्थित मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल में भी जमा करानी होगी।

उइकजांच से बच निकले संस्थान होंगे दायरे में

शासन के मुताबिक, CBI द्वारा जांच से शेष रह गए नर्सिंग संस्थानों की भी जांच की जाएगी ताकि किसी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी न रह जाए। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भी समय-समय पर इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं, जिन्हें ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है। इधर, मध्यप्रदेश के चर्चित नर्सिंग घोटाले को लेकर ठरवकके प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने राज्य सरकार और संबंधित विभागों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परमार का कहना है कि उच्च न्यायालय के सख्त रुख के बावजूद, सरकार और विभागीय अधिकारी इस घोटाले के दोषियों को संरक्षण दे रहे हैं, जिससे हाईकोर्ट के निदेशों की धज्जियां उड़ रही हैं। इधर, घोटाले में संलिप्त 99% लोग आज भी अपने रसूख और राजनीतिक संबंधों के चलते जांच के दायरे से बाहर हैं। जांच की धीमी गति से यह स्पष्ट है कि सरकार आरोपियों को बचा रही है। इधर, रवि परमार ने आरोप लगाया कि गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की मीनू नायर और राखी पटेल, जो सीधे तौर पर दोषी हैं, उन्हें दंडित करने के बजाय नर्सिंग काउंसिल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 7509202320 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

सामूहिक बलात्कार के खिलाफ आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला ने कलेक्टर और एसपी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। आदिवासी जिले की बेटियों एवं महिलाओं की मण्डला शहर एवं संपूर्ण मण्डला जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विगत दिवस युवती के साथ गैंगरेप करने वाले चारों आरोपियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाई हो मंडला जिले की आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित एवं सोशल मीडिया से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार विगत दिवस डिण्डौरी से मण्डला आई एक आदिवासी बेटी के साथ नेशलन हाईवे 30 पर चार लोगों ने सामूहिक बलात्कार किये हैं, इसके बाद उस लड़की को अपहरण कर छिंदवाड़ा जिला ले जाया गया। इसी प्रकार विगत दिनों ग्राम कटरा मण्डला स्थित कम्प्यूटर सेंटर के सामने से कन्या छात्रावास में रहकर पढ़ने वाली एक आदिवासी बेटी को दिनदहाड़े अगवाकर अपहरण की गई थी। इसके अलावा भी मण्डला जिले में आदिवासी बेटियों के साथ इस प्रकार की घटनायें घटित होने की लगातार जानकारी मिलती रहती है। यह बहुत ही चिंता का विषय है एवं पुलिस सुरक्षा, निगरानी एवं नियंत्रण व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करता है। मण्डला जिला मुख्यालय में जिले के अधिकांश

गाँवों से छात्रायें एवं महिलायें प्रतिदिन अपने व्यक्तिगत कार्यों को लेकर आती जाती रहती है।

यात्री बस/गाड़ी साधन देर रात में मिलने अथवा कार्य में देरी हो जाने के कारण यात्री बस परिवहन साधन न मिलने पर मजबूरन यहाँ-वहाँ भटकती हैं। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था कमी के कारण बलात्कार / दुष्कर्म जैसी घिनौनी हरकतें करने वाले अपने मकसद में कामयाब हो रहे हैं। साथ ही मण्डला जिला मुख्यालय एवं अन्य क्षेत्रों में सरकारी कन्या छात्रावास एवं प्राईवेट किराये के कमरे लेकर लड़कियों पढ़ाई करती हैं। इन सभी की कड़ी सुरक्षा, निगरानी एवं नियंत्रण व्यवस्था करने की पूर्ण जिम्मेदारी पुलिस विभाग की है। इस प्रकार की घटनायें/ वारदातें लगातार घटित होने से ऐसा लगता है कि पुलिस विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। इस संबध में आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला के प्रतिनिधि मण्डल ने कलेक्टर और एस पी को ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विगत दिवस डिण्डौरी से मण्डला आई आदिवासी बेटी के साथ नेशलन हाईवे 30 पर चार लोगों ने सामूहिक बलात्कार किये हैं. उन आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाये।

जिस प्रकार मध्यप्रदेश एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस प्रकार के अपराधियों के घरों में बुलडोजर चलाया जाता है। साथ ही इस प्रकार के घटनाओं हेतु संवैदनशीन एवं घट?नाकारित चिन्हित क्षेत्रों में पुलिस सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था बढ़ाई जाये और यह भी सुनिश्चित किया जावे कि जिस समय या दिन या रात में जिसके ड्यूटी क्षेत्र में कोई घटना घटित होता है, तो जिस समय या दिन या रात में जिसकी ड्यूटी लगाई गई थी, उन पर सख्त कार्यवाई की जावे। ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो पाये। यदि आगामी दिनों में इसकी पुनरावृत्ति होती है, तो आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला के तत्वाधान में पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन के विरोध में महाजनआन्दोलन किया जावेगा। जिसके लिये पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन पूर्ण रूप से जवाबदेह होगा। इस दौरान आदिवासी महा पंचायत गढ़ा मंडला के समस्त पदाधिकारी व सदस्य गण शामिल रहे।

रामनगर में शिवसेना ने किया जन स्वाभिमान यात्रा का स्वागत

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। बिछिया जनपद के रामनगर पहुंचने पर जन स्वाभिमान यात्रा का शिवसेना के पदाधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर शिवसेना जिला अध्यक्ष अजय झरिया, पंचायत प्रमुख आनंद गौतम, शीलमणी झरिया, दीपक उसराठे और अन्य ग्रामीण जन उपस्थित थे। इसके पूर्व जन स्वाभिमान यात्रा की बैठकें बिछिया जनपद के ग्राम बंटवार, मांगा और खर्राझर में हुई। बंटवार और खर्राझर में वन अधिकारों के मुद्दों पर चर्चा हुई। मांगा में प्रस्तावित माइनिंग के चलते ग्रामीण चिंतित हैं। शाम को ग्राम खराझार में वर्ष 2018 के अधूरे पड़े पीएम आवास की शिकायत ग्रामीणों ने की। शाम को रामनगर की बैठक में सरपंच और सचिवों द्वारा लापरवाहियों से काम ना होने की ग्रामीणों ने शिकायतें की है। रामनगर से यात्रा मोहगांव ब्लॉक के कोपरिया ग्राम पहुंची। जहां बरसते पानी में भी ग्रामीणों यात्रा का स्वागत किया। कोपरिया गांव में पेयजल की समस्या का मुद्दा सामने आया। ग्रामीणों ने बताया कि पाईप लाईन बिछा दी गई है पर घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। बोर से पाइपलाइन को जोड़ा ही नहीं गया है। इसके अलावा ग्रामीण इस बात से भी नाराज थे कि अभी एक भी पीएम आवास इस गांव नहीं मिला है। उक्त मामलों में जन संघर्ष मोर्चा संयोजक विवेक पवार ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर वस्तु स्थिति से अवगत कराया। शिवसेना के अजय झरिया ने समस्या का समाधान ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दिया है। कोपरिया और खर्राझर में भी पीएम आवास, पेयजल और वन अधिकार की अनेकों शिकायत प्राप्त हुआ है। यात्रा में शामिल होने आए सभी लोगों को 30 जून को मंडला में आयोजित जन स्वाभिमान सम्मेलन में आने का निमंत्रण दिया गया।

मंडला में लगेंगे ढाई लाख पौधे

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके ने मंडला जिले के डुंगरिया-परसवाड़ा में बीजांकुर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने गोल पहाड़ी में पौधा रोपा। इस दौरान उन्होंने गुलेल से पहाड़ी में सीड बॉल के माध्यम से बीज रोपण भी किया। मंत्री उईके ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। जिले में सीडबॉल के माध्यम से बीजांकुर अभियान के तहत ढाई लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने जन्मदिन और वर्षगांठ जैसे अवसरों पर एक पौधा जरूर लगाएं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक को इसमें योगदान करना होगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मंडला विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेश मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, नैनपुर एसडीएम आशुतोष ठाकुर और नैनपुर सीईओ जनपद पंचायत विनोद मरावी उपस्थित थे।

लेखापाल ने अपने परिवार के खातों में ट्रांसफर शिक्षकों की सैलरी भेजी

नैनपुर बीईओ कार्यालय में 33 लाख का घोटाला

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला जिले के नैनपुर विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 33 लाख रुपए का घोटाला सामने आया है। वर्तमान लेखापाल सुरेश तिवारी ने 2018 से 2022 के बीच कोषालय ई-भुगतान प्रणाली का दुरुपयोग किया। लेखापाल ने सातवें वेतनमान की एरियर्स राशि में हेरफेर की। उन्होंने ट्रांसफर शिक्षकों का वेतन निकलना जारी रखा। लेखापाल ने एक व्यक्ति के दो-दो बैंक खाते बनाकर अपने परिवार के सदस्यों के खातों में राशि ट्रांसफर की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की भुगतान राशि में भी गड़बड़ी की गई है।

लेखापाल परिवार के खातों में भेजी राशि

जबलपुर संयुक्त संचालक वित्त शाखा रोहित कौशल ने शुक्रवार को बताया कि जांच में 12 कर्मियों की देय राशि में हेरफेर का खुलासा हुआ है। लेखापाल तिवारी ने गबन की राशि अपनी पत्नी, बेटी और स्वयं के खातों में जमा की।

तीन महीने से चल रही थी जांच

यह गड़बड़ी कोष और लेखा विभाग के कोषालयीन सर्वर क्रास्चेक्ड ने पकड़ी। पिछले तीन महीने से संयुक्त कोष और लेखा जबलपुर के अधिकारी मामले की जांच कर रहे थे। जांच में तत्कालीन बीईओ सहित अन्य की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है।

खाते बंद करने के निर्देश जारी

आयुक्त कोष और लेखा विभाग भोपाल ने जिला कोषालय अधिकारी को कुछ खाते बंद करने के निर्देश दिए हैं। घोटाला सामने आने के बाद लेखापाल तिवारी को नैनपुर से हटाकर मंडला कार्यालय में संलग्न कर दिया गया है।

रक्तदान के प्रति जागरूक करने भारतीय स्टेट बैंक में लगा रक्तदान शिविर, कर्मचारियों ने बढ़चढ़ लिया हिस्सा

रेवांचल टाईम्स - मण्डला। भारतीय स्टेट बैंक सामाजिक सेवा दायित्व के अंतर्गत शनिवार को मुख्य शाखा परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर जिला अस्पताल के सहयोग से स्टेट बैंक के मुख्य शाखा में आयोजित किया गया। शिविर में बैंक स्टाफ एवं आम जन ने रक्तदान किया जिसमें बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार, मुख्य प्रबंधक श्रीमती सुषमा सरस, मुख्य प्रबंधक जनार्दन लाल, रिटायर्ड मुख्य प्रबंधक मुकेश सोनी, मुख्य प्रबंधक श्रीमती शशि मिरी और अन्य शीर्ष अधिकारी भी शामिल थे। यह शिविर स्वेच्छा से रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए बैंक के प्रयासों को दशार्ता है। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए

प्रतिबद्ध है। रक्तदान शिविर जैसी पहलों के आयोजन से बैंक सामाजिक स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दिखाता है। रक्तदान एक महत्वपूर्ण और जीवनदायिनी गतिविधि है जो कई लोगों की जान बचाने में मदद करती है। मुख्य प्रबंधक श्रीमती सुषमा सरस ने कहा कि रक्तदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है जैसे कि दुर्घटना में घायल लोगों गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का सामना करने वाली महिलाओं और रक्त विकारों से पीड़ित लोगों को रक्तदान से रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है जो कई अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में एक बड़ी समस्या है। वहीं मुख्य प्रबंधक जनार्दन लाल ने कहा कि नियमित रक्तदान से स्वास्थ्य लाभ नियमित रक्तदान करने से हृदय रोग के खतरे को कम किया जा सकता है आयरन के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है, और नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा मिलता है। समाजसेवा रक्तदान एक समाज सेवा है, जो लोगों की जान बचाने में मदद करती है और समाज में एक सकारात्मक प्रभाव डालती है।

कब होगी अतिथि शिक्षक भर्ती : बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित : पी.डी खैरवार

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। जिले में 16 जून से विद्यालयों में पढ़ाई शुरू हो चुकी है। जिसका उल्लेख सरकार ने पाठ्य-पुस्तकों के सबसे पहले विषय सूची में और शैक्षणिक कैलेंडर में भी कर रखा है। बावजूद इसके सरकारी शिक्षकों की कमियों के चलते भी पढ़ाई कार्य कराने वाले अतिथि शिक्षकों की भर्ती जरूरतमंद स्कूलों में अब तक भी नहीं की जा सकी है। जिसके पीछे कोई खास कारण भी नहीं हैं। परिणाम यह है,कि सरकारी स्कूलों में दर्ज गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों की पढ़ाई शुरूआत से ही ठप्प पड़ी हुई है। सरकारी स्कूलों में पढाई की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होते जाने के पीछे महत्वपूर्ण कारणों में यह भी एक कारण है। जबकि तमाम विज्ञापनों के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के विकास को प्राथमिकता देने वाली इस सरकार को 16 जून के पहले ही यानी स्कूल खुलते ही अतिथि शिक्षकों को स्कूलों में सेवा का अवसर दिया जाना बेहतर शिक्षा और बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अति आवश्यक है। ताकि समय से कोर्स पूरा करवाया जा सके। वैसे भी बहुत ज्यादा शासकीय अवकाशों के चलते कक्षाएं बहुत कम दिन लग पाती हैं। जिसके कारण भी पढ़ाई कराने पर्याप्त समय नहीं मिल पाता है।विचारणीय है,कि शिक्षकों की कमी वाले स्कूलों में बहुत देर बाद अतिथि शिक्षक भर्ती करके पढ़ाई शुरू कराई जाती है। बाद में परीक्षा परिणाम कमजोर आने पर अतिथि शिक्षकों को ही दोषी ठहराया जाता है। समाज और अभिभावकों के सामने भी अतिथि शिक्षकों को बेवजह निंदा के पात्र बनना पड़ता है। गौरतलब है, कि नियमितीकरण की मांग 2008 से लगातार करते आने के बाद भी अतिथि शिक्षकों की सेवाएं जुलाई - अगस्त के महीने से शुरू कर 30 अप्रैल को समाप्त कर देने की परंपरा को सरकार खत्म नहीं करने में अड़ी हुई है।जिससे अतिथि शिक्षकों को महज सात -आठ महीने में लगभग 150 कार्य दिवस ही पढ़ाई कराने के लिए मिल पाते हैं,जो पाठ्यक्रम के अनुपात में बहुत कम पड़

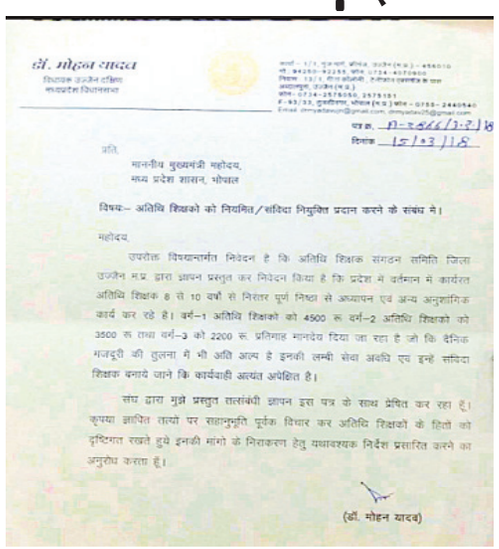

जाते हैं। याद दिलाना जरूरी है,कि चुनाव पूर्व 2 सितंबर 2023 को अतिथि शिक्षकों के लिए सरकार की अधिकारिक घोषणा वार्षिक अनुबंध की हो चुकी है। जिसमें बारहों महीने काम पर रखे जाने की बात थी,जिसका पालन डाक्टर मोहन यादव की सरकार के द्वारा आज पर्यंत नहीं किया जा सका है।भविष्य में अतिथि शिक्षकों की सेवाएं लगातार जारी रखना गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और बच्चों के हित में होगा। शासन-प्रशासन से बार-बार मांग करते हैं, कि 2024-25 में सेवा देते आ रहे अतिथि शिक्षकों को बगैर कोई ज्ञापन जारी किए ही जल्द से जल्द सेवा पर रखा जाए और रिक्त पदों पर वरीयताक्रम व अनुभव के आधार पर सेवा से अलग हुए अतिथि शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाए। ताकि सरकार के आदेशों के शिकार बने बेरोजगार हुए अतिथि शिक्षकों को पुनः सेवा का अवसर मिल सके।

संविदा शिक्षक बनाने डॉ.मोहन यादव ने भी विधायक रहते लिख चुके हैं मुख्यमंत्री को पत्र

अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षक बनाने विचार करने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने भी विधायक रहते तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को संबोधित कर सात वर्ष पूर्व 15 मार्च 2018 को इस संबंध में पत्र लिख चुके हैं,और वर्तमान में डॉक्टर मोहन यादव खुद ही प्रदेश के मुखिया हैं,अब यह काम उनके स्वयं के हाथ में आ गया है। अतिथि शिक्षकों को नियमित रोजगार देने पहल करना उनके कुशल और सच्चे राजनीतिक होने का परिचायक होगा।

अनुभव के आधार पर वरिष्ठता क्रम में नियमितीकरण करे सरकार

अतिथि शिक्षक संगठन लंबे समय से एक ही मांग करते आ रही है,कि अधिकतम अनुभव के आधार पर वरिष्ठता क्रम में अतिथि शिक्षकों को नियमित रोजगार देने सरकार पहल करे। जिससे प्रदेश के लगभग तीन लाख अतिथि शिक्षक परिवारों के जीवन में खुशहाली आएगी।

शिक्षक भर्ती अपात्र अतिथि शिक्षकों की भर्ती अन्य पदों पर हो

शिक्षक भर्ती नियमों के अनुसार डी एड व बी एड के साथ शिक्षक भर्ती परीक्षा पास होना अनिवार्य होता है। इस दायरे में नहीं आने वाले अतिथि शिक्षकों को उनके अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर स्कूलों में खाली पड़े अन्य पदों पर भर्ती कर सरकार।

मंडला में बारिश होते ही बदला योगाभ्यास का स्थान

मंडला। मंडला में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को इंडोर स्टेडियम में हुआ। लगातार बारिश की संभावना के चलते कार्यक्रम को इंडोर स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

पीएम मोदी के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

कार्यक्रम की शुरूआत में सभी प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशाखापट्टनम से प्रसारित लाइव योग सत्र देखा। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में योग आचार्य प्रमोद दुबे और उनकी टीम ने योग अभ्यास कराया। इंडोर स्टेडियम में हुए कार्यक्रम में तकरीबन 200 लोगों ने योगाभ्यास किया। मंत्री संपतिया उइके ने उपस्थित लोगों से कहा कि हर दिन कम से कम 15 मिनट का योगाभ्यास जरुर करें। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय उईके ने स्वस्थ जीवन के लिए योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने पर जोर दिया।कार्यक्रम में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमठ और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट राजेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मंडला पुलिस द्वारा पुलिस लाइन सहित सभी थाना-चौकियों में योग अभ्यास

रेवांचल टाईम्स - मंडला। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विशाखापट्टनम से लाइव कार्यक्रम से जुड़े वरिष्ठ शरीर, शांत मन पुलिस बल के लिए योग का महत्वपूर्ण संदेश 21 जून 2025 को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंडला पुलिस द्वारा पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन सहित जिले के सभी थानों एवं चौकियों में सामूहिक योग सत्रों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम किए। इस वर्ष की थीम " "Yoga for One Earth, One Health" रही, जो यह दशार्ती है कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य और वैश्विक पर्यावरण एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। मंडला पुलिस ने इस संदेश को आत्मसात करते हुए योग को न केवल व्यक्तिगत कल्याण, बल्कि सामाजिक और पारिस्थितिक संतुलन का माध्यम माना। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विशाखापट्टनम से प्रसारित लाइव योग सत्र को देखा और उनके विचारों को सुना। › "11 साल, 1 मंत्र — योग से ही संभव है संतुलित जीवन। भारत की पहल पर शुरू किया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज अपने 11वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। यह सिर्फ योग की यात्रा नहीं, बल्कि विश्व के साथ भारत के सांस्कृतिक जुड़ाव की कहानी है।" योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएं और स्वयं को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाकर एक स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

गंगा जल योजना की कब्रगाह बना सकोला, खेत तालाब निर्माण में तकनीकी मानकों की खुली हत्या

पूर्व सचिव अब भी रोजगार सहायक बनकर लूट का संरक्षक

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अनूपपुर जिले की जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सकोला गंगा जल संवर्धन योजना के अंतर्गत जो कार्य होने थे वे अब भ्रष्टाचार और लापरवाही की राष्ट्रीय मिसाल बनते जा रहे हैं, योजना का नाम जितना पवित्र था, उसका क्रियान्वयन उतना ही अपवित्र और इसकी सबसे खतरनाक परछाईं है, सरपंच राधाबाई पूर्व सचिव, जो अब भी रोजगार सहायक के रूप में पंचायत में सक्रिय है और योजनाओं को अपनी जेब की किताब समझकर चला रहा है। गांव में खेत तालाब बनाना एक अत्यंत वैज्ञानिक और स्थायी उपाय माना गया है, जिससे वर्षा जल संचयन, सिंचाई सुविधा और भूजल पुनर्भरण संभव होता है, परंतु सकोला में इस वैज्ञानिक प्रक्रिया की पूरी तरह से धज्जियाँ उड़ा दी गईं, मनरेगा और गंगा जल योजना के तहत खेत तालाब का न्यूनतम माप 30 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा और 3 मीटर गहरा होना चाहिए, इससे लगभग 1800 से 2000 घन मीटर पानी का संग्रहण संभव होता है, लेकिन सकोला में जो तालाब बनाए गए, वे मानक से आधे भी नहीं हैं कुछ तो सिर्फ 1 मीटर की गहराई तक खोदे गए हैं, जो पहली बारिश में ही मिट्टी से भरकर बेकार हो जाते हैं खेत तालाब के डिजाइन में ढलान का विशेष ध्यान रखा जाता है ताकि पानी बहकर बाहर न जाए और कटाव न हो सामान्यतः 1:1.5 से 1:2 का ढलान अनिवार्य होता है, लेकिन यहाँ सीधा गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया, जिससे कटाव तेजी से हुआ और मिट्टी बहकर तालाब फिर भर गया जल के प्रवेश और निकास की तकनीकी व्यवस्था किसी भी खेत तालाब का मूलभूत हिस्सा होती है, जिससे पानी का ठहराव और वितरण संतुलित बना रहे सकोला के तालाबों में न इनलेट है, न आउटलेट यानी यह तालाब नहीं, अस्थायी गड्ढे हैं, मिट्टी की परतबंदी और दबाव की प्रक्रिया न की गई, जिससे पानी सीपेज होकर नीचे रिसने लगा परिणामस्वरूप तालाबों में पानी टिकता ही नहीं। खेत तालाबों के किनारे पर सुरक्षा के लिए कटिंग का ढांचा, बाड़बंदी और पैदल चलने की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि मवेशी या बच्चे उसमें गिर न सकें सकोला में ये सभी प्रावधान या तो नकली हैं या पूरी तरह अनुपस्थित इन तमाम तकनीकी अनियमितताओं के बीच पूर्व सचिव, जो अब रोजगार सहायक के रूप में पंचायत में कार्यरत हैं, उनका नाम बार-बार सामने आ रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि वही सभी कार्यों का आर्डर, निरीक्षण और भुगतान प्रक्रिया को नियंत्रित कर रहा था। पंचायत सचिवों और इंजीनियरों की मिलीभगत ने ग्रामीण विकास को ठगों का कारोबार बना डाला है योजनाओं के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई और इसका लाभ न किसानों को नही मिला। ग्रामीण का कहना है कि यह सिर्फ पैसा हड़पने की साज़िश नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर वैज्ञानिक जल संरक्षण के खिलाफ अपराध है, ग्रामीणों की माँग है कि पूर्व सचिव को तत्काल पद से हटाया जाए और निलंबित किया जाए खेत तालाब निर्माण की स्वतंत्र तकनीकी जांच करवाई जाए पूरी योजना का हो और दोषियों पर एफआईआर दर्ज हो।

सड़क निर्माण में लापरवाही, घर में भर रहा पानी, सरपंच ने कहा घर गिरता है तो गिर जाए

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। अनूपपुर जिला के जैतहरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सोन मौहरी में मनमाने ढंग से बन रही सीसी रोड अब लोगों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि मुसीबत बनती जा रही है। गांव के निवासी राजकुमार ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 के माध्यम से गंभीर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि पंचायत द्वारा हाल ही में बनाई गई सीसी रोड की ऊंचाई और दिशा इस प्रकार रखी गई है कि हल्की बारिश में ही उनके घर में पानी भर गया है, जिससे घर की दीवारें भीग गई हैं और अब गिरने के कगार पर हैं। राजकुमार ने बताया कि जिस ओर से उनके घर का पानी निकास होता था, उसी ओर से ऊंची सड़क बना दी गई है। वहीं, दूसरी ओर से सड़क बनाई जानी चाहिए थी, ताकि घर का पानी नालियों के माध्यम से बाहर निकल सके, लेकिन न तो नाली बनाई गई और न ही निकासी की कोई व्यवस्था की गई। राजकुमार का आरोप है कि उन्होंने सरपंच, उपसरपंच को कई बार मौके पर बुलाया, लेकिन कोई नहीं आया। सरपंच ने तो साफ शब्दों में यह तक कह दिया ह्लघर गिर जाए, मुझे क्या करना है। पंचायत की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, क्योंकि कार्य प्रारंभ से पहले कोई निरीक्षण नहीं हुआ, और न ही मौके पर उपस्थिति दिखाई दी। राजकुमार एक छात्र है और पिता के निधन के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उसी के कंधों पर है। उनका कहना है कि उनकी आर्थिक स्थिति इतनी नहीं है कि आंगन में सीमेंट की ढलाई खुद करवा सकें। ऐसे में नाली और निकासी की उचित व्यवस्था के बिना उनका घर हर बारिश में डूब जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, युवा टीम ने आयोजित किया योग कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया द्वारा मां बिरासिनी क्रिकेट स्टेडियम पाली परिसर में योगा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और उन सभी प्रतिभागियों को योगा का महत्व बताया गया। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि योगा न सिर्फ योगा दिवस पर करना चाहिए योगा हमें नियमित रूप से प्रतिदिन करना चाहिए योगा हमारे स्वास्थ्य के लिए हमारे फिटनेस के लिए और हमें कई बीमारियों से योगा दूर रखता है इसलिए हमें योगा प्रतिदिन करना चाहिए । योगा हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है।शरीर और मन को शांत करने के लिए यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संतुलन बनाता है। यह तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायता करता है और आपको आराम से रहने में मदद करता है। योग आसन शक्ति, शरीर में लचीलेपन और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए जाना जाता है। ये सब योग के लाभ हैं।योगासन करते समय हिमांशू तिवारी,पलक सिंह, नेहा सिंह,प्रेरणा तिवारी,रुद्र प्रधान, शुभम पटेल,अतिव्य रजक,राधिका तिवारी,अनन्य यादव, राघवेंद्र सिंह, दीप्ति सिंह एवं सभी उपस्थित रहे।

सीएम ने कल्याण सेवा आश्रम के कपिला गौशाला को दिया तृतीय पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र के साथ 2 लाख नगद

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर/ अमरकंटक। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में आयोजित राज्य स्तरीय गौशाला सम्मेलन के गौ पालक, गौ शाला संचालक एवं प्रतिनिधियों द्वारा सहभागिता के महिती एवं विशाल कार्यक्रम में अनूपपुर जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक के कल्याण सेवा आश्रम ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे कपिला गौशाला को राज्य स्तर का तृतीय पुरस्कार प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 2 लाख रुपए का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कार एवं सम्मानित किया। गौपालक ,गौशाला संचालक के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मंत्री लखन पटेल, मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल नगर निगम महापौर मालती राय इस आयोजन में उपस्थित रहे। पवित्र नगरी कल्याण सेवा आश्रम ट्रस्ट अमरकंटक की ओर से

प्रतिनिधि स्वामी धमानंद महाराज ने चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया, उनके साथ पवित्र नगरी अमरकंटक के पत्रकार एवं आश्रम के शिष्य उमाशंकर पांडे मुन्नू उनके साथ रहकर उक्त पुरस्कार एव सम्मान प्राप्त किया। कल्याण सेवा आश्रम ट्रस्ट अमरकंटक के द्वारा नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 कपिला संगम में गौ संरक्षण गौ संवर्धन एवं उपचार का बेहतर ढंग से उच्च तकनीक के द्वारा किया जाता है। वर्तमान समय में कपिला गौशाला लगभग सवा दो सौ की संख्या में गौ एवं बछड़े है, गौ माता की सेवा एवं अन्य व्यवस्था के हेतु गौशाला में कल्याण सेवा आश्रम के द्वारा 20 कर्मचारी निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं । कल्याण सेवा आश्रम के द्वारा गौ माता की सेवा सुश्रुआ देखभाल एवं भोजन आदि की व्यवस्था व्यवस्थित रूप में की जाती है, बीमार होने पर त्वरित उपचार किया जाता है, गौशाला में संरक्षण संवर्धन का विशेष व्यवस्था है तथा विशेष गौरतलब यह भी है कि गौशाला के प्रत्येक हाल में शुभ मधुर बांसुरी का संगीत 24 घंटे निरंतर बजता रहता है। गौ माता को भगवान कृष्ण की मधुर बांसुरी धुन बजती रहती है । गोबर गोमूत्र होने पर त्वरित साफ सफाई रखी जाती है। तपस्वी बाबा कल्याण दास महाराज के विशेष कार्यों के तहत गौशाला का संचालन कल्याण सेवा आश्रम के द्वारा किया जा रहा है । कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंधक ट्रस्टी हिमाद्री मुनि महाराज द्वारा कपिला गौशाला का कुशल देख रेख एवं व्यवस्था संचालन किया जाता है।

शासकीय कार्य मे बाधा डालने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार, 2 फरार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर/चचाई। खनिज निरीक्षक ईशा वर्मा खनिज कार्यालय अनूपपुर के द्वारा एक लिखित आवेदन पत्र पेश किया कि रात्रि को अवैध रेत परिवहन सोन नदी केल्हौरी गांव से होने की सूचना पर मौके से स्टाफ के साथ रेड कार्यवाही की गई, ट्रैक्टर सोनालिका क्रमांक एमपी-18-एबी- 2965 में रेत परिवहन करते पाए जाने पर उक्त ट्रैक्टर के चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम तीरथ बैगा पिता देवी दीन बैगा निवासी बम्हौरी जिला शहडोल का होना बताया, उक्त ट्रैक्टर मलिक चंद्रिका यादव निवासी केल्हौरी के ट्रैक्टर में सोन नदी से पित्तू यादव के कहने पर रेत परिवहन करना और कोई दस्तावेज नहीं होना बताने पर, ट्रैक्टर को मौके से जप्त कर जप्ती पंचनामा कार्यवाही कर चालक के माध्यम से ट्रैक्टर लाते समय मौके से पित्तू यादव ,अखिलेश सोनी, नीरज चौरसिया , एवं महेंद्र यादव सभी निवासी केल्हौरी के द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए ट्रैक्टर को लेकर भाग गए। रिपोर्ट पर ट्रैक्टर चालक तीरथ बैगा ,पित्तू यादव ,अखिलेश सोनी, नीरज चौरसिया एवं महेंद्र यादव के खिलाफ अपराध क्रमांक 171/25 धारा 303(2) 132, 221, 3/5 बीएनएस एवं खान खनिज अधिनियम 4/21 कायम कर विवेचना में लिया गया , आरोपी नीरज चौरसिया पिता हजारीलाल चौरसिया उम्र 31 वर्ष, महेंद्र यादव पिता सूर्य दीन यादव उम्र 32 साल एवं अखिलेश सोनी पिता संतोष सोनी उम्र 30 साल तीनों निवासी केल्हौरी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। मामले के मुख्य आरोपी पित्तू यादव एवं ट्रैक्टर चालक तीरथ बैगा अभी भी फरार हैं जिनकी पता तलाश कर जल्द ही गिरफ्तार कर मामले में ट्रैक्टर जप्त किया जाएगा।

सभ्यता एवं संस्कृति को लेकर हमारा पूरा परिवार चलता है- सरूपा राम

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर/ अमरकंटक। पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में राजस्थान प्रांत के सरोई जिला के देवधा ग्राम एवं तहसील के किसान 18 सदस्य संयुक्त परिवार के मुखिया सरूपा राम जो परिवार के मुखिया हैं, अपने सभी परिजनों के साथ पतित पावनी मां नर्मदा जी के स्नान दर्शन पूजन अर्चन के लिए आए हैं, उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि हम संयुक्त परिवार में रहते हैं, सभ्यता एवं संस्कृति से हटकर एक कदम आगे नहीं चलते जो मैं कह देता हूं वह पूरा परिवार मानता है, सभी मुझको आदर देते हैं मै उनको भी उतना ही आदर भाव प्रेम रखता हूं। उन्होंने आगे कहा कि भले ही बहुत ज्यादा विकास हो गया है, लेकिन हम अपने पूर्वजों के कहने एवं बताए गए रास्ते के अनुसार ही चलते हैं, इसलिए आप देख रहे होंगे कि हमारा रहन-सहन एवं वस्त्र आभूषण आज भी पूर्ववत चल रहा है, महिलाएं आज भी अपने देश एवं भेष के अनुसार रहती हैं, उसी अनुसार आभूषण तथा कपड़े पहनती हैं,

पारंपरिक संस्कृति के तहत लोकगीत का गायन करती हैं, हम सभी लोगों का बाबा राम रामदेव महाराज जो हमारे आराध्य गुरुदेव हैं, उन पर पूरा विश्वास है, उनके बिना कुछ भी नहीं होता उनके आशीर्वाद से ही हम सब का कारोबार खेती-बाड़ी तथा शादी विवाह होता है, बाबा रामदेव का पारंपरिक भजन महिलाओं ने गाकर सुनाया तथा महिलाओं ने कहा कि बाबा सबका भला करते हैं, बाबा के नाम पर विश्वास रखो तो राजस्थान के रेतीले जगह में भी दो-तीन फीट में पानी मिल जाता है, हम सब लोग भी खेती किसानी करते हैं, वही हमारे जीने का आधार है हम सब एक ही छत के नीचे रहते हैं 25--26 लोगो का हमारा एक संयुक्त परिवार है, जो बड़े मुखिया कह देते हैं वह हमारे लिए आदेश है, उसके आगे पीछे कोई कुछ नहीं कर सकता । राजस्थान के सरोई जिला से दो चौपहिया वाहन से अपने 18 सदस्यों को नर्मदा जी के स्नान दर्शन पूजन अर्चन के लिए लेकर आए हैं, राजस्थान में अमरकंटक एवं नर्मदा जी का बहुत नाम है, इसके पहले भी वह अपने घर के लोगों को मैहर चित्रकूट बनारस प्रयागराज महाकुंभ तथा अयोध्या घुमा चुके हैं।

दो मोटरसाइकिल टकराई, 1 की मौत, 2 गंभीर घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बड़ेरी के पास दो बाईकों मे हुई भीषण भिड़ंत मे एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं दो गंभीर रूप से घायल हो गये। मृतक का नाम बच्चा यादव पिता बाबूलाल 25 निवासी ग्राम कोड़ार बताया गया है, जो बाईक पर मोहित यादव पिता मनोज यादव 18 निवासी गढ़पुरी के साथ आ रहा था। तभी सामने से आ रहे कमलेश सिंह पिता कमलभान सिंह 29 निवासी खुसरवाह की मोटर साईकिल से उनकी टक्कर हो गई। यह भिड़ंत इतनी भयानक थी कि तीनो बाईक सवार घिसटते हुए कई फिट दूर जा गिरे, और सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गये। दुर्घटना के बाद 108 एंबुलेंस की मदद उन्हे जिला अस्पताल लाया गया, जहां बच्चा यादव की मौत हो गई। मामले की सूचना पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया तथा कार्यवाही शुरू की।

अवैध रेत उत्तखनन व परिवहन करते ट्रैक्टर जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर/चचाई। ट्रैक्टर स्वराज कंपनी का सुथना नाला से रेत लोड कर ग्राम मेडियारास तरफ ले जा रहा है, सूचना पर पुलिस टीम मौके में पहुँची तो ट्रैक्टर नंबर टढ 18 अअ 7324 से अवैध रेत परिवहन करते पाया गया, उक्त ट्रैक्टर के चालक का नाम पता पूछने पर अपना नाम होनहार जायसवाल पिता रमेश जायसवाल उम्र 26 वर्ष निवासी धिरौल का होना बताया, रेत परिवहन के संबंध में दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज नहीं होना बताया, ट्रैक्टर मालिक के कहने पर सुथना नाला से रेत लोड करना बताया, मौके से ट्रैक्टर ट्राली व रेत की कुल कीमत 7 लाख 3 हजार रुपए जप्त कर आरोपी ट्रैक्टर चालक होनहार जायसवाल पिता रमेश जायसवाल उम्र 26 वर्ष एवं वाहन मालिक सोमांचल जयसवाल दोनों निवासी धिरौल थाना चचाई के विरूद्ध अपराध धारा 303(2) 317 (5) बीएनएस एवं 4/21 खान खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया।

पीआरटी महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर पंडित रामगोपाल तिवारी महाविद्यालय अनूपपुर में भव्य योग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक डॉ. देवेंद्र कुमार तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने योग के महत्व पर प्रेरणादायक उद्बोधन दिया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 7 बजे सूर्य नमस्कार और प्रार्थना से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न योग आसनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। डॉ. तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ह्लयोग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा का समन्वय है। यह हमें अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मकता का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने छात्रों से दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आग्रह किया और ह्यहर दिन योग, हर घर योगह्ल अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भाग लिया। आयोजन में सभी विभागों के प्रमुख, संकाय प्राध्यापक, और उपस्थित रहे।

संपादकीय

अमेरिका-चीन व्यापार समझौते से उम्मीद कम

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह चल रही व्यापार वाताओं को पूरा करने के लिए 9 जुलाई की समय सीमा को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। बढ़ती व्यापारिक और आर्थिक अनिश्चितता के दौर में यह अमेरिका के कारोबारी साझेदारों को सीमित राहत ही मुहैया कराएगी। बहरहाल आंशिक तौर पर यह भी दिखाता है कि अमेरिकी प्रशासन इस तथ्य को स्वीकार कर रहा है कि विभिन्न देशों के साथ अलग-अलग व्यापार वाताएं करना एक जटिल और समय खपाऊ कवायद है। अमेरिका 15 बड़े साझेदार देशों के साथ व्यापार समझौते को लेकर वार्ता कर रहा है। भारत भी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब है। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि यह 9 जुलाई तक पूरा हो जाएगा या नहीं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका इस समय सीमा को किस हद तक बढ़ाने का इच्छुक है। अब तक अमेरिका ने केवल यूनाइटेड किंगडम के साथ व्यापार समझौता किया है। चीन के साथ भी वह बुधवार को प्रारंभिक सहमति पर पहुंच गया। हालांकि समझौते की शर्तों के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि चीन के साथ समझौता हो गया है लेकिन अभी उसे उनकी और चीन के राष्ट्रपति की मंजूरी मिलनी है। वक्तव्य के मुताबिक चीन की वस्तुओं पर अमेरिका 55 फीसदी शुल्क लगाएगा जबकि चीन अमेरिकी आयात पर 10 फीसदी शुल्क लगाएगा। चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात में नरमी पर भी सहमत हो गया है। वहीं अमेरिका चीनी छात्रों को अपने विश्वविद्यालयों में पढ़ने की इजाजत देगा। खबरों के मुताबिक अमेरिका कुछ उच्च तकनीक वाली वस्तुओं के निर्यात पर भी सहमत हो गया है जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंताएं जताते हुए रोक दिया गया था। चीन ने ह्यलिबरेशन डेह्ल पर अमेरिका द्वारा की गई शुल्क वृद्धि के जवाब में कई दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर लाइसेंस की जरूरत थोप दी थी और अमेरिकी आयात पर शुल्क बढ़ा दिया था। अमेरिका ने इसके जवाब में चीनी आयात पर 145 फीसदी शुल्क लगा दिया था। अब इसमें से तमाम शुल्क वापस ले लिए गए हैं। बहरहाल, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या चीन और अमेरिका के बीच घोषित शुल्क दरें अंतिम होंगी? यह स्पष्ट है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह निर्भरता ट्रंप प्रशासन की सोच से कहीं अधिक है। इतना ही नहीं चीन को बढ़त हासिल दिख रही है क्योंकि दुर्लभ खनिज की आपूर्ति श्रृंखला पर उसका नियंत्रण है। आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए ये तत्त्व बहुत महत्त्वपूर्ण हैं और मोबाइल फोन से लेकर रक्षा उपकरणों तक में इनका इस्तेमाल होता है। चीन इस बढ़त का इस्तेमाल किस हद तक रियायत हासिल करने में करेगा यह आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा। वह शायद 55 फीसदी की शुल्क दर पर न माने क्योंकि यह उसके निर्यात को प्रभावित करेगी। ऐसे में अंतिम समझौते की प्रतीक्षा अहम रहेगी। अन्य कारोबारी साझेदारों के लिए अमेरिका-चीन समझौता यही सुझाता है कि शुल्क दरें तथाकथित जवाबी शुल्क के पहले के स्तर की तुलना में काफी ऊंचे स्तर पर रहेंगी और समझौते पर पहुंचना आसान नहीं होगा। अमेरिकी प्रशासन समय सीमा बढ़ाने का इच्छुक है। उसका नीतिगत पथ अमेरिका तथा शेष विश्व के आर्थिक नतीजों को प्रभावित करेगा। उदाहरण के लिए आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने हाल ही में अनुमान जताया कि अमेरिकी वृद्धि दर चालू वर्ष में घटकर 1.6 फीसदी रह जाएगी जबकि 2024 में यह 2.8 फीसदी थी। यह भी उम्मीद है कि मुद्रास्फीति की दर चालू वर्ष की अंतिम तिमाही में 4 फीसदी के करीब रह सकती है और वह 2026 में लक्ष्य से ऊपर रहेगी। इससे फेडरल रिजर्व के पास नीतिगत ब्याज दर कम करने की गुंजाइश सीमित रहेगी। कुल मिलाकर चीन के साथ समझौते (जिसे अभी मंजूर होना है) और समय सीमा बढ़ाने की इच्छा के बावजूद भविष्य अनिश्चित नजर आ रहा है।

भारत में कार्बन क्रेडिट बाजार की बुनियाद तैयार, लेकिन कई चुनौतियां बाकी

भारत सरकार ने जून 2023 में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम (सीसीटीएस) की अधिसूचना जारी की थी और उसके बाद से कई कदम उठाए गए ताकि इसको अमलीजामा पहनाया जा सके। उम्मीद है कि ट्रेडिंग 2026 में शुरू हो जाएगी और वर्ष 2027 तक इसका एक स्थिर बाजार हो जाएगा। इस लेख में हम कार्बन बाजार बनाने के लिए सरकार के तरीकों का विश्लेषण और इसे एक सफल पहल बनाने में आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर बात करेंगे। इसे स्वीकारने में जरा भी संदेह नहीं है कि यह एक जटिल विषय है जिसमें लगातार बदलाव हो रहे हैं। निश्चित रूप से आगे कई अतिरिक्त मुद्दों पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। पहले कुछ बुनियादी बातों से शुरूआत करते है। किसी भी वस्तु के बाजार के विकास के लिए वास्तविक और उचित अनुमानित मांग आवश्यक होती है। इसके बाद आपूर्तिकर्ता इसमें जुड़ते हैं और वे अपनी मांग और मूल्य का अनुमान लगाते हैं और साथ ही उस मांग को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाते हैं। यही बातें कार्बन बाजार पर भी लागू होती हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफऐंडसीसी) ने हाल ही में कुछ क्षेत्रों में चिह्नित संस्थाओं के लिए कार्बन उत्सर्जन तीव्रता के लक्ष्य अधिसूचित किए हैं। मोटे तौर पर कहा जाए तो जिन संस्थाओं को इसके लिए जिम्मेदार माना जाता है उन्हें अपनी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता कम करनी होगी और उन लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्हें दंड और अन्य कानूनी कार्रवाइयों का सामना करना पड़ेगा। स्वाभाविक रूप से, हरेक अधिसूचित संस्था को मौजूदा तकनीक, अपग्रेडेशन की आवश्यकता या ईंधन विकल्पों के संदर्भ में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और आवश्यक बदलाव लाने के लिए फंडिंग की लागत का जायजा भी लेना होगा। विभिन्न संस्थाओं को अपनी उत्सर्जन तीव्रता कम करने के लिए अलग-अलग सीमांत लागतों पर विचार करना पड़ेगा। कुल उत्सर्जन तीव्रता में कमी के लक्ष्य को पूरा करने के आर्थिक रूप से कुशल समाधान के लिए सुचारू तरीके से काम करने वाला कार्बन बाजार विकसित करना होगा, जहां अपेक्षाकृत अधिक सीमांत लागत वाली कंपनियां अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बाजार से कार्बन क्रेडिट खरीदने के विकल्प तलाश सकें। आपूर्ति पक्ष में अपेक्षाकृत कम सीमांत लागत वाली कंपनियां ही होंगी जो अपने लक्ष्यों को बड़े स्तर पर हासिल कर और कार्बन क्रेडिट बेचकर पैसा कमाने का अवसर देखती हैं। इसके सफल होने के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू, वास्तव में कार्बन क्रेडिट मूल्य होगा और साथ ही यह महत्त्वपूर्ण होगा कि इसका निर्धारण कितनी पारदर्शिता और विश्वसनीयता के साथ किया जाता है। यह एक सफल कार्बन बाजार के लिए पहली बुनियादी जरूरतें हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा तय उत्सर्जन लक्ष्य, क्षेत्र विशेष और उस क्षेत्र की जिम्मेदार एकल इकाइयों के लिए है। लक्ष्यों को तय करने के लिए प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांत, 2005 के स्तर की तुलना में 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता को 45 फीसदी तक कम करने की भारत की राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान प्रतिबद्धता (एडीसी) रही है। एकल इकाइयों के लिए, पहले के उत्सर्जन को भी ध्यान में रखा गया है जिसमें वर्ष 2023-24 को आधार वर्ष माना गया है। अहम बात यह है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को शुरूआत में ही उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य तय करते हुए उन सभी उद्योगों को शामिल करना चाहिए था जिनसे सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलता है और इसके बाद अन्य क्षेत्रों की जिम्मेदार कंपनियों को इस दायरे में लाना चाहिए। सबसे अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करने वाले उद्योगों में स्टील क्षेत्र को शामिल क्यों नहीं किया गया, यह बात भी समझ से परे है। इसी तरह, ताप ऊर्जा क्षेत्र जिसका कार्बन फुटप्रिंट सबसे अधिक है, उसे शायद इसलिए बाहर रखा गया है क्योंकि यह पहले से ही प्रदर्शन करने, लक्ष्य हासिल करने और ट्रेडिंग की योजना (पीएटी) के तहत आता है। लेकिन यह गलत धारणा है कि ऊर्जा दक्षता में सुधार से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी जरूर आएगी। इसके अलावा, एक ही लक्ष्य के लिए दो योजनाएं चलाना भी समस्या खड़ी करता है। पीएटी योजना पर आगे बात करेंगे, लेकिन अभी के लिए इतना समझा जा सकता है कि योजना में उत्तरदायी बाध्यकारी क्षेत्रों के दायरे को सीमित करने से न केवल बाजार का आकार छोटा होगा बल्कि तरलता पर भी इसका असर पड़ेगा। कंपनियों के लिए उनके पिछले उत्सर्जन के आधार पर लक्ष्य तय करना गलत है। यह ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की महत्त्वाकांक्षा में कमी को दर्शाता है और इससे कार्बन क्रेडिट की पर्याप्त मांग बढ़ने की संभावना नहीं है। अहम सवाल यह भी है कि जिन कंपनियों के उत्सर्जन का पिछला रिकॉर्ड खराब रहा है, उन्हें ढील क्यों दी जाए? सही तरीका यह होगा कि एक ही क्षेत्र में एक जैसी कंपनियों को (उदाहरण के तौर पर उत्पादन क्षमता के आधार पर) वर्गीकृत किया जाए और उन सभी के लिए एक ही लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। इससे एक बेंचमार्क तैयार किया जा सकेगा और उद्योग को संसाधनों का कुशलता से उपयोग करने, बेहतर तकनीक अपनाने और सही ईंधन का चुनाव करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा और तभी एक कार्बन बाजार तैयार हो पाएगा। सीसीटीएस ने गैर-बाध्यकारी संस्थाओं को कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग में शामिल करने के लिए एक ह्यऑफसेट प्रणालीह्ल भी बनाई है। हालांकि, यूरोपीय संघ (ईयू)-एमिशन ट्रेडिंग स्कीम्स (ईटीएस) सहित दुनिया भर की उत्सर्जन ट्रेडिंग योजनाओं के अनुभव से अंदाजा होता है कि स्वैच्छिक भागीदारी से कार्बन लीकेज हो सकता है और डेटा की विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है और इसके कारण योजना की साख ही खतरे में पड़ सकती है। आप स्वच्छ विकास प्रणाली (सीडीएम) के अनुभवों को ही याद करें तो यह कार्बन क्रेडिट की दोहरी गणना और खराब सत्यापन जैसी गंभीर समस्याओं से घिरी थी। योजना के शुरूआती चरण में बाजार में तरलता बनाए रखने के लिए स्वैच्छिक भागीदारी की अनुमति देने का अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाला तर्क (जिसे बाद में कम किया जाना है) सही नहीं है। यह एक कमजोर नींव पर इमारत बनाने जैसी बात है। इसके बजाय, शुरूआत से ही बड़ी तादाद में बाध्यकारी संस्थाएं होनी चाहिए, जिन्हें मजबूत निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन तंत्र के साथ-साथ सख्त नियमों के दायरे में रखा गया हो। जानकारी के मुताबिक, ईयू-ईटीएस में ऑफसेट प्रणाली पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया गया है। अब बात करते हैं मौजूदा पीएटी योजना और सीसीटीएस के महत्त्वपूर्ण जुड़ाव के मुद्दे पर। सीसीटीएस काफी हद तक पीएटी योजना पर आधारित है, जिसे 2012 से ही ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) एक बाजार तंत्र के रूप में नियमों के दायरे में आने वाली संस्थाओं में ऊर्जा दक्षता में सुधार के लिए संचालित कर रहा है। हालांकि इस तरीके के कुछ अपने निहितार्थ हैं। सवाल यह भी है कि क्या सीसीटीएस में शामिल क्षेत्रों को कवर करने वाली पीएटी योजना समानांतर रूप से जारी रहेगी? पीएटी चक्र 8 को वर्ष 2025-26 के लिए पहले ही अधिसूचित कर दिया गया है, ऐसे में यह सह-अस्तित्व कैसे काम करेगा? बाजार को क्यों विभाजित किया जाए? इसके बजाय, सीधे उत्सर्जन तीव्रता को लक्षित करने वाली केवल सीसीटीएस ही क्यों न हो? पीएटी योजना की पहले भी आलोचना हुई है, जिसमें ढीले लक्ष्य तय करना, बाजार में ऊर्जा बचत प्रमाण पत्र (ईएससीईआरटी) की अत्यधिक आपूर्ति के कारण प्रमाण पत्र की कीमतों में कमी, असंतोषजनक क्रियान्वयन और खराब तरीके का अमल शामिल है। ऐसा लगता है कि पीएटी 3 चक्र के बाद से, विभिन्न चरणों को बंद करने के लिए आवश्यक कदम अब भी लंबित हैं। याद रहे कि पीएटी 3 चक्र, वर्ष 2017-2020 की अवधि के लिए था और इसके बाद पीएटी 4 से पीएटी 8 तक के चक्रों को अधिसूचित किया गया है। क्या इन चरणों में शामिल बाध्यकारी संस्थाओं को सीसीटीएस के तहत तभी अनुमति मिलेगी जब ये चरण बंद हो जाएंगे? पीएटी के तहत बकाया ऊर्जा बचत प्रमाण पत्र को सीसीटीएस के तहत कार्बन क्रेडिट में बदलने की प्रणाली क्या होगी? पीएटी व्यवस्था के तहत प्रचलित खराब निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन प्रक्रियाओं को देखते हुए इनकी आखिर विश्वसनीयता क्या है? क्या इन्हें सामान्य कार्बन क्रेडिट माना जाएगा या उनके लिए एक अलग वर्गीकरण या एक्सचेंज पर एक अलग ट्रेडिंग सेगमेंट होगा? देश में एक मजबूत और विश्वसनीय कार्बन बाजार बनाने के लिए इन सभी मुद्दों पर ठीक से विमर्श और समाधान की आवश्यकता है।

राशिफल

मेष राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, स्त्री शरीर कष्ट, कुछ बाधायें चिन्तामय रखेंगी।

वृष राशि :- मान-प्रतिष्ठा में प्रमुख वृद्धि होगी, कार्य कुशलता से संतोष होगा, रुके हुए कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि :- क्रोध से अशांति तथा झगड़े से बचें, क्रोध से कार्य अवरोध होगा एवं हानि होगी।

कर्क राशि :- कार्य-व्यवसाय में सुधार हो, कार्य कुशलता से संतोष होगा, हानि होगी।

सिंह राशि :- व्यवसाय गति अनुकूल हो, तनाव व क्लेश से अशांति, व्यर्थ व्यय होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि :- योजनाऐं फलीभूत हों, अधिकारियों के तनाव से बचें, सतर्क रहकर कार्य करें।

तुला राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखें एवं कुटुम्ब की चिन्ता करें, विशेष रूप से ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- विशेष कार्य स्थिगित एवं लेन-देन के मामले में हानि होगी, कार्य होवेंगे।

धनु राशि :- मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता एवं असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।

मकर राशि :- क्रोध, अशांति से बचिये, मानसिक भ्रम तथा व्यवस्था नष्ट हो सकती है।

कुंभ राशि :- नवीन योजनाएं फलप्रद हों, कार्यकुशलता से संतोष होगा, ध्यान दें।

मीन राशि :- इष्ट मित्र से तनाव-क्लेश व अशांति से हानि, मनोबल बना रहेगा।

डायबिटीज के मरीजों को रोज कितनी देर वॉक करना चाहिए, जानें इस बीमारी में वॉकिंग का सही समय और तरीका?

डायबिटीज यानी मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर का ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित हो जाता है। इसे नियंत्रित रखने के लिए दवाओं और डाइट के साथ-साथ नियमित शारीरिक गतिविधि भी अत्यंत जरूरी होती है। वॉकिंग यानी टहलना डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे सरल और प्रभावी व्यायामों में से एक है। लेकिन इसे सही समय और तरीके से करना बेहद जरूरी है, ताकि इसका पूरा लाभ मिल सके।

रोज कितनी देर वॉक करें?

डायबिटीज के मरीजों को प्रतिदिन कम से कम 30 से 45 मिनट की ब्रिस्क वॉक (तेज गति से चलना) की सलाह दी जाती है। यह वॉकिंग एक बार में की जा सकती है या इसे 10-10 मिनट के तीन हिस्सों में भी बांटा जा सकता है। सप्ताह में कम से कम 5 दिन वॉक करना आदर्श माना जाता है। वॉकिंग से न केवल ब्लड शुगर नियंत्रित होता है, बल्कि इंसुलिन की संवेदनशीलता भी बढ़ती है और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

वॉकिंग का सही समय क्या है?

डायबिटीज के मरीजों के लिए भोजन के बाद टहलना विशेष रूप से फायदेमंद होता है। विशेषकर खासकर रात के खाने के बाद 15 से 30 मिनट की हल्की वॉक करने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से न बढ़ने में मदद मिलती है। वॉक के लिए भोजन के कम से कम 30 मिनट बाद निकलना चाहिए, तुरंत भोजन के बाद नहीं। सुबह खाली पेट वॉक करना भी लाभदायक हो सकता है, लेकिन इसमें सावधानी जरूरी है। अगर आप इंसुलिन लेते हैं या ब्लड शुगर लेवल पहले से ही कम है, तो सुबह की वॉक से पहले हल्का नाश्ता करना उचित रहता है।

वॉकिंग का तरीका कैसा हो?

ब्रिस्क वॉक यानी ऐसी चाल जिसमें आप सामान्य से तेज गति से चलें, लेकिन बिना दौड़ लगाए। चलते समय अपनी पीठ सीधी रखें, हाथों को सामान्य रूप से हिलाएं और सांस की गति संतुलित रखें। वॉकिंग के दौरान जूते आरामदायक और सपोर्टिव हों, ताकि पैरों पर कोई दबाव न पड़े। डायबिटीज को नियंत्रित रखने में वॉकिंग एक सरल लेकिन प्रभावशाली उपाय है। सही समय पर, नियमित रूप से और सही तकनीक के साथ की गई वॉकिंग आपके ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करती है और आपकी समग्र सेहत को बेहतर बनाती है।

महान सड़क पर यात्रा (व्यंग्य)

सड़क बनवाने वालों का काम लम्बी, चौड़ी और महान सड़क बनाना है। उनका काम संभावित घायलों के इलाज के लिए कोई कारगर योजना बनाना नहीं है। अगर नीति निमार्ताओं ने ऐसी कोई योजना बना ही दी है तो उसमें कई तरह के लोचे होना जरूरी है। लम्बी, चौड़ी और महान सड़क पर सफर करना किस्मत की बात है। वहां जाकर तो शानदार गाड़ियों को भी मजा आता होगा। छोटे शहर या गांव में रहने वाला, छोटी गाड़ी का मालिक आम आदमी भी कभी न कभी उस सड़क से यात्रा करता है तो उसे लगता है यह शानबढ़ाऊ राजमार्ग उसके कल्याण के लिए भी बना है। प्रशासन चाहता है कि आम आदमी भी इस खास सड़क पर आकर गर्व महसूस करे। छोटी मोटी कमियां जो इसके निर्माण के दौरान रह गई हैं उनका बुरा न माने। आम आदमी कभी बुरा भी नहीं मानता। वास्तव में उसे बुरा मानने का अधिकार है भी नहीं। गलती से बुरा मान भी ले तो चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता।

वक़्त वक़्त की बात है। कई बार दूसरे ज्यादा समझदार वाहन चालकों द्वारा यातायात नियम तोड़ने के कारण उसकी हड्डियां टूट जाती हैं तो उसे लगता है वह यहां खुद के साथ दुर्घटना करवाने ही आया था। ऐसे में जब उसे प्रारंभिक इलाज की जरूरत पड़ती है तो उसे लगता है वह अपनी डिस्पेंसरी साथ क्यूं नहीं लाया ताकि मुश्किल के समय में अपने और दूसरों के काम आता । फिर उसे लगता है कि इतने बड़े, लम्बे, चौड़े, महान मार्ग पर किसी अनजान व्यक्ति की गाडी से टकराने का अनुभव भी खास होता है। मर गए तो पता नहीं स्वर्ग जाएंगे या नरक, क्यूंकि स्वर्ग या नरक दोनों ही काल्पनिक जगहें हैं। बच गए तो बीमा वाले तंग कर कर के पता नहीं कब तक क्लेम दिए बिना अधमरा रखेंगे। दुर्घटना में अगर बच गए, कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा या घर पर ही आराम करना पड़ा तो उसका एक फायदा जरूर होगा कि मित्रों, यार, दोस्तों और रिश्तेदारों से व्यक्तिगत रूप से मिलना हो पाएगा। वह बात दीगर है कि उन बेचारों को भी अस्त व्यस्त जिंदगी में से बड़ी मुश्किल से कुछ समय निकालकर आना पड़ेगा।

सड़क बनवाने वालों का काम लम्बी, चौड़ी और महान सड़क बनाना है। उनका काम संभावित घायलों के इलाज के लिए कोई कारगर योजना बनाना नहीं है। अगर नीति निमार्ताओं ने ऐसी कोई योजना बना ही दी है तो उसमें कई तरह के लोचे होना जरूरी है। ऐसा होना हमारी कार्यसंस्कृति का अहम् हिस्सा है जिसे परम्परा मानकर निभाना पड़ता है। सड़क बनाने का कार्य देश के विकास से जुड़ा है लेकिन सड़कों के आसपास, आम लोगों के लिए जरूरी सुविधाएं विकसित करवाना, सुविधाएं उपलब्ध हो चुकी हैं तो उन्हें साफ सुथरा रखना, कुछ टूट गया है तो उसकी मरम्मत करवाना किसी की भी जिम्मेदारी नहीं है। वास्तव में यह जिम्मेदारी उन सुविधाओं में पहले से ही सम्मिलित होनी चाहिए कि अपना ध्यान खुद रखें। जरूरत पड़े तो अपनी मरम्मत खुद कर लें। वहां एक सूचना भी लिखी हो सकती है कि यह सिर्फ देखने के लिए है यात्रियों को चाहिए कि वे इनका प्रयोग न करें। इन घटनाओं से बचने का एक ही तरीका है कि आम आदमी, लम्बी चौड़ी सड़क पर यात्रा करने का महान विचार ही स्थगित रखे।

एजिंग स्किन की केयर कर सकती है सौंफ

सौंफ को डाइजेशन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन बहुत कम लोगों को इस बात की जानकारी है कि सौंफ आपकी स्किन के लिए भी उतनी ही फायेदमंद है। खासतौर से, सौंफ आपकी स्किन को लंबे समय तक यंगर बनाए रखने में मददगार है। दरअसल, सौंफ में एंटी-ऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और कई जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं, जो स्किन की झुर्रियों, ढीलापन और बेजानपन के पीछे का बड़ा कारण होते हैं।

यही वजह है कि अपनी स्किन को टाइटन करने से लेकर उसके टेक्सचर को बेहतर बनाने और स्किन के नेचुरल ग्लो को बढ़ाने में सौंफ मददगार साबित हो सकती है। यह अपनी स्किन का ख्याल रखने का एक नेचुरल और बजट फ्रेंडली तरीका है। इतना ही नहीं, आप इसे अपने स्किन केयर रूटीन में कई अलग-अलग तरीकों से शामिल भी कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि एजिंग स्किन की देखभाल के लिए आप सौंफ को किस तरह इस्तेमाल कर सकते हैं-

सौंफ टोनर स्प्रे : यह एक नेचुरल एंटी-एजिंग टोनर की तरह काम करता है। सौंफ के बीज में फ्लेवोनॉयड्स और विटामिन सी होते हैं, जो स्किन को टाइटन करने, फाइन लाइन्स को कम करने और स्किन की रंगत को एकसमान बनाने में मदद करते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें : 1 चम्मच सौंफ के बीज को 1 कप गर्म पानी में 30 मिनट तक भिगोकर रखें। फिर छानकर इसे स्प्रे बोतल में भरकर फ्रिज में रखें। इसे चेहरे पर ताजगी देने वाले मिस्ट या टोनर के रूप में इस्तेमाल करें।

सौंफ और दही से बनाएं फेस पैक : सौंफ फ्री रेडिकल्स से लड़ने के साथ-साथ कोलेजन को बढ़ाता है, जबकि दही स्किन को हाइड्रेट करती है और लैक्टिक एसिड की मदद से हल्के से एक्सफोलिएट करता है। यह मिश्रण स्किन को ताजगी और चमक देता है।

कैसे इस्तेमाल करें : 1 चम्मच सौंफ के बीज को पीसकर पाउडर बना लें। इसे 1 चम्मच दही के साथ मिला लें और चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर धो लें।

सौंफ से बनाएं स्क्रब

यह स्क्रब डेड स्किन सेल्स को हटाने और ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाने में मदद करता है। जिसकी वजह से आपकी स्किन ज्यादा चमकदार और जवां दिखने लगती है। सौंफ के एंटी-एजिंग गुण समय के साथ उम्र के धब्बों को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें : एक चम्मच सौंफ के बीज को मोटे तौर पर पीसकर शहद या एलोवेरा जेल में मिला लें और इसे एक हल्के स्क्रब के रूप में हफ्ते में एक बार इस्तेमाल करें।

जिला मुख्यालय में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर में हुआ जिला स्तरीय योग सत्र का आयोजन

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जिले भर में हुए सामूहिक योग के कार्यक्रम

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ह्यह्यएक पृथ्वी,एक स्वास्थ्य के लिए योगह्लह्ल योग दिवस की थीम को बढ़ावा देने शनिवार 21 जून को प्रातः 6 बजे से जिले भर में सामूहिक योग के कार्यक्रम आयोजित किये गये। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधव नगर, कटनी में राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, विधायक मुड़वारा श्री संदीप जायसवाल,कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव व पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा की मौजूदगी में विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया।

यहां जिला पंचायत सीईओ श्री शिशिर गेमावत, अपर कलेक्टर साधना परस्ते, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहेरिया, एस डी एम श्री प्रदीप कुमार मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री विवेक गुप्ता और श्री प्रमोद चतुवेर्दी, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी, पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, डीईओ, जिला आयुष अधिकारी, तहसीलदार श्री बी के मिश्रा सहित बड़ी संख्या में नागरिकों, विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के सदस्यों, शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों और छात्र- छात्राओं ने योगाभ्यास किया। योग कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा (वर्चुअली) सामूहिक योग कार्यक्रम में संबोधन का प्रसारण किया गया। योग कार्यक्रम के उपरांत कलेक्टर श्री यादव और पुलिस अधीक्षक ने अतिथियों को गुलमोहर का पौधा भेंट किया।

एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण

जिला स्तरीय योग कार्यक्रम के बाद सांसद, विधायक, कलेक्टर,एस पी ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर के परिसर में एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण किया गया। ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2025 पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को प्रातः 6 बजे से भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी किया गया। योग दिवस के अवसर पर जिले के स्कूलों, कालेजों और अन्य सार्वजनिक स्थलों सहित विभिन्न स्थानों पर योग सत्र आयोजित किये गये। योग सत्र में बड़ी संख्या में शामिल होकर लोगों ने योगाभ्यास किया। सामूहिक योग कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से की गई तत्पश्चात योग प्रशिक्षकों ने उपस्थित लोगों को चालन क्रियायें, योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। योगासनों में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्द्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्द्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्थानमंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्थानपादासन, अर्द्धहलासन, पवनमुक्तासन, शवासन का अभ्यास कराया गया। इसके पश्चात कपालभाती, अनुलोम विलोम, शीतली और भ्रामरी प्राणायाम कराया गया। फिर ध्यान, संकल्प एवं शांति पाठ किया गया। कार्यक्रम में योग करने से तन-मन और बुद्धि स्वस्थ रहने सहित अन्य लाभों से अवगत कराया गया।

कृष्ण रुक्मणि विवाह का प्रसंग सुना महाराज श्री ने भक्तों को किया मंत्रमुग्ध

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले के स्लीमनाबाद समीपस्थ ग्राम भेड़ा में श्री मद भागवत कथा रूपी अमृत मई गंगा प्रवाहित हो रही है आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास रमाकांत त्रिपाठी जी ने उधव चरित्र, महारासलीला व रुक्मिणी विवाह का वर्णन किया। कथा व्यास ने कथा के दौरान कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण से उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट की। भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया। अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया। इसके लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को मिलने के लिए कहा गया।

सभी गोपियां सज-धजकर नियत समय पर यमुना तट पर पहुंच गईं। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां अपनी सुध-बुध खोकर कृष्ण के पास पहुंच गईं। उन सभी गोपियों के मन में कृष्ण के नजदीक जाने, उनसे प्रेम करने का भाव तो जागा, लेकिन यह पूरी तरह वासना रहित था। इसके बाद भगवान ने रास आरंभ किया। माना जाता है कि वृंदावन स्थित निधिवन ही वह स्थान है, जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। यहां भगवान ने एक अद्भुत लीला दिखाई थी, जितनी गोपियां उतने ही श्रीकृष्ण के प्रतिरूप प्रकट हो गए। सभी गोपियों को उनका कृष्ण मिल गया और दिव्य नृत्य व प्रेमानंद शुरू हुआ। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुऐ कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को हरण कर द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया उपस्थित भक्त श्रद्धालु जन ने माता रुक्मणि एवं भगवान श्री कृष्ण के पैर पखार मौके पर आकर्षक वेश-भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया। कथा के साथ-साथ भजन संगीत भी प्रस्तुत किया गया।कथा में इस दौरान ललित मिश्रा हरि मिश्रा मनोज मिश्रा दीपक मिश्रा संदीप मिश्रा बाल मुकुंद दुबे पार्थ दुबे विनोद दुबे मुकेश विश्वकर्मा शेखर अग्रहरी मदन सिंग प्रमोद विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में भक्त श्रद्धालु जन मौजूद रहे।

28 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता - 252 आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों हेतु 4 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। महिला बाल विकास के अंतर्गत जिले की सभी 7 बाल विकास परियोजनओं के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 28 और आंगनबाड़ी सहायिका 252 रिक्त पदों हेतु एमपी ऑनलाईन द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से 4 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। ये सभी पद पूर्णतः अस्थायी एवं मानसेवी आधारित है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास ने बताया कि कटनी शहरी परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 2 तथा आंगनबाड़ी सहायिका के 30 पद रिक्त है। इसी प्रकार ढीमरखेड़ा परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 6 और आंगनबाड़ी सहायिका के 44 पद रिक्त है। जबकि विकासखंड बड़वारा में आंगनबाड़ी सहायिका के 42 पद तथा बहोरीबंद विकासखंड की परियोजना के अंतर्गत 6 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 20 आंगनबाड़ी सहायिका के पद रिक्त है। इसी प्रकार मुरवारा परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 4 और आंगनाड़ी सहायिका के 38 पद तथा रीठी परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 3 एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 42 पद रिक्त है। जबकि विजयराघवगढ बाल विकास परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 7 और आंगनबाड़ी सहायिका के 36 पद रिक्त है। बाल विकास परियोजना एवं आंगनबाड़ी केन्द्रवार रिक्त पदों का विवरण संबंधित बालविकास परियोजना कार्यालय एवं एमपी ऑनलाईन द्वारा तैयार चयन पोर्टल पर भी उपलब्ध है। इसके अलावा नियुक्ति से संबंधित नियम, निर्देश, शर्तें आवेदन का प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य अहताओं से संबंधित जानकारी भी चयन पोर्टल और महिला बाल विकास विभाग की विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

योग्यता एवं अहर्ता

जिस ग्राम या नगरीय क्षेत्र के वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति की जानी है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम एवं शहरी एवं नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है। अन्य ग्राम या वार्ड की महिला आवेदन हेतु पात्र नहीं है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता हायर सेकण्डरी (12वीं उत्तीर्ण) अनिवार्य है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु दिनांक 1 जनवरी 2025 की स्थिति में आयु 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किये जायेंगे। ऑफलाइन प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

पिछले वर्ष बारिश में गिर गये थे खंभे, शिकायत को अनदेखा कर रहे उमरियापान जेई

घुघरी में टूटे बिजली के खंबे, पेड़ों से बंधी लाईनें, विभाग को नहीं है मतलब

आश्वासन पर आश्वासन फिर भी नहीं सुधर रहीं व्यवस्थाएं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। ग्राम घुघरी में विद्युत विभाग की लापरवाही ग्रामीणों के लिए एक गंभीर संकट बन चुकी है। बीते वर्ष क्षेत्र में बाढ़ के दौरान जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया था। बाढ़ के दौरान ग्राम घुघरी में कई स्थानों पर बिजली के खंभे या तो पूरी तरह से टूट गए या झुककर बेकार हो गए थे। विद्युत विभाग के अधिकारियों के द्वारा आश्वासन दिया गया था कि जल्द ही ठीक कर दिया जायेगा लेकिन पुनः बारिश होना शुरू हो गई है इसके बावजूद भी यहां की समस्या का समाधान नहीं किया गया है। वहीं वर्तमान में बारिश भी शुरू हो चुकी है जिस कारण से कभी भी कोई बड़ी घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता है, कई जगह पर पेड़ों के सहारे लाईन को बंधा गया है तो वहीं कई जगह पर खंबे झुके हुये है जिस कारण से करेंट भी फैल सकता है लेकिन इन सब बातों से उमरियापान जेई को कोई सरोकार नहीं है। कई बार ग्रामीणों के द्वारा शिकायत की गई लेकिन हर बार उनकी शिकायत को नजर अंदाज किया जाता रहा है। कुछ दिनों पहले ग्रामीणों के द्वारा एसडीएम ढीमरखेड़ा को भी इस समस्या से अवगत कराया गया था जिसमें एसडीएम के द्वारा आश्वासन दिया गया है कि जल्द ही कार्य कराया जायेगा।

कुंभकर्णी निद्रा में सो रहा विभाग- ग्रामवासियों के द्वारा कई बार विभाग को अवगत कराया जाकर मांग की गई कि खंभों की मरम्मत और तारों को उचित रूप से स्थापित कर दिया जाये लेकिन हर बार ग्रामीणों को आश्वासन दिया जाता रहा है। विभाग की लापरवाही से किसी भी दिन कोई बड़ी घटना हो सकती है।

अतिक्रमण करने वालों के नगर निगम ने काटे चालान

कटनी। नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा मुहैया कराने के हेतु पुलिस विभाग एवं नगर निगम की टीम द्वारा रोजाना नगर के मुख्य मार्गो में संयुक्त कार्यवाही करते हुए सार्वजनिक मार्गो में अतिक्रमण एवं यातायात बाधित कर व्यवसाय करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में विगत दिवस पुलिस एवं नगर निगम की अतिक्रमण विभाग के दस्ते द्वारा विगत दिवस गोल बाजार एवं रेल्वे स्टेशन मुख्य मार्ग में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर सार्वजनिक मार्गो में अतिक्रमण करने वाले 16 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए 3हजार 500 रुपए का जुमार्ना वसूला गया। संयुक्त कार्यवाही के दौरान नो पार्किंग जोन पर खड़े वाहनों पर भी कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान अतिक्रमण अधिकारी मानेन्द्र सिंह सहित पुलिस विभाग एवं नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी रही।

विहिप-बजरंग दल ने किया था आंदोलन

जेसीबी मशीन लगाकर हटाई स्टेशन में मंदिर के सामने बनी दीवार

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कटनी रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर सकुर्लेटिंग एरिया में स्थित भगवान श्रीराम के मंदिर के सामने बनी दीवार को रातोंरात हटा दिया गया। रात करीब ढाई बजे अज्ञात लोगों ने जेसीबी मशीन लगाकर इस दीवार को हटा दिया। सुबह जब लोग यहां पहुंचे तो मन्दिर के सामने दीवार नहीं थी।

दीवार को तोड़ने के बाद मलमा भी हटा दिया गया। विदित हो कि कुछ दिन पहले ही बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने मंदिर के सामने बनी दीवार को हटाए जाने को लेकर आंदोलन किया था। इस दौरान उनके ऊपर लाठीचार्ज भी किया गया था। जिसमे कई लोगों को चोटें आईं थीं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ साल पहले रेलवे ने ही मंदिर के सामने दीवार खड़ी कर दी थी। जिसे हटाने के लिए बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने कई बार आंदोलन किया था, पूरे मामले को लेकर जिला मंत्री राहुल दुबे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि 2016 में मंदिर के सामने ये दिवाल रेलवे विभाग ने अपनी मनमर्जी से खड़ी कर दी थी जिसको लेकर हिन्दू समाज में काफी आक्रोश था जिसे लेकर विश्व हिंदू परिषद ने बार बार प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराया धरना आंदोलन इत्यादि कई बार किए गए जिससे दिवाल को हटाया जाए पूर्व में एक माह पहले इस दिवाल को हटाने के लिए हमारे कार्यकर्ता एवं प्रशासन के बीच कहा सुनी भी हुई थी वाटर केनन का प्रयोग भी प्रशासन के द्वारा किया गया था जब हम लोग दिवाल तोड़ने में अड़े रहे तब प्रशासन ने हमारे ऊपर लाठियां भी बरसाई थी उन लाठियों की कीमत आज दिवाल टूटने के रूप में हमे प्रतिफल प्राप्त हुआ है समूचा जिला इस दिवाल के टूटने से खुश है प्रसन्न है क्योंकि वो दिवाल हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम के मंदिर के ठीक सामने खड़ी थी जो हमारी भावनाओं को आहत कर रही थी।

कलेक्टर ने नगर निगम क्षेत्र के विकास एवं निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

कटनी । कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने शुक्रवार को नगर निगम क्षेत्र में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण कर जारी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्मित कराने और इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत के सीईओ श्री शिशिर गेमावत और निगमायुक्त श्री नीलेश दुबे मौजूद रहे। कलेक्टर ने झिंझरी स्थित निमार्णाधीन बस स्टैंड और कटनी नदी के मोहन घाट व मसुरहा घाट मे निमार्णाधीन वाटर बॉडी रेजुवनेशन के अलावा कैलवाराखुर्द स्थित दयोदय पशु सेवा केन्द्र द्वारा संचालित गौशाला का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री यादव ने जिला जेल के समक्ष झिंझरी में करीब 3 करोड़ रुपए की लागत से निमार्णाधीन क्षेत्रीय बस स्टैंड के निर्माण कार्य का अवलोकन किया और क्रियान्वयन की स्थिति का मौका मुआयना किया। कलेक्टर ने कार्य की बेहतर गुणवत्ता के निर्देश दिए। इस दौरान मौजूद निगमायुक्त ने निमार्णाधीन बस स्टैंड में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। जैसे टिकट काउंटर, शौचालय, यात्रियों के लिए डॉरमेटरी और दुकानों की व्यवस्था होने की जानकारी दी। कलेक्टर ने निगमायुक्त से भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए निमार्णाधीन बस स्टैंड को वृहद, व्यापक और अत्याधुनिक स्वरूप देने के नजरिये से अतिरिक्त भूमि आवंटन हेतु आवेदन करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री यादव ने अमृत 2.0 योजनान्तर्गत कटनी नदी पर निर्मित मोहन घाट में नदी के दोनों ओर 150-150 मीटर लम्बाई में एवं मसुरहा घाट में नदी के दोनों ओर 180-180 मीटर लम्बाई में वाटर बॉडी रेजुवनेशन के निमार्णाधीन कार्य का निरीक्षण किया।

विवाहिता को अगवा कर किया था दुष्कर्म आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। नवम अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती सुशीला वर्मा द्वारा थाना स्लीमनाबाद के प्रकरण में आरोपी शिवकुमार काछी को धारा 366, 376, 506 भादवि में दोषसिद्ध पाया जाकर भादवि की धारा 366 एवं 376 के लिये 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000/-1000/- रुपए के अर्थदण्ड 7 एवं धारा 506 के लिये 07 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1000/- रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक शैलेन्द्र नागौत्रा द्वारा की गई। मीडिया सेल प्रभारी सुरेन्द्र कुमार गर्ग ने बताया कि अभियोक्त्री दिनांक 15.10.2022 को रात्रि में दिशा मैदान के लिये घर के पास ही खेत तरफ गई थी तभी आमोच ग्राम का आरोपी शिवकुमार काछी वहां आ गया और विवाहित अभियोक्त्री का मुंह दबाकर हाथ पकड लिया

और जबरन उसे जान से मारने का भय दिखाकर पास ही स्थित खेत की मडैया पर ले गया और उसके साथ कुकृत्ये किया। अभियोक्त्री जैसे तैसे अपने को छुडाकर घर वापिस आई और रो रोकर अपनी सास को इस घटना के बारे में बताया, तत्पेश्चात अपने पति जो शहर से बाहर राजस्थापन में काम करता है उसे भी बताया। एक दिन बाद पति के राजस्थान से आने के बाद उसने थाना स्लीमनाबाद में आरोपी शिवकुमार काछी के विरूद्ध लिखित रिपोर्ट लेख कराई गई। फरियादी की उक्त रिपोर्ट के आधार पर आरोपी शिवकुमार काछी को गिरफ्तार किया गया। विवेचना में आरोपी के विरूद्ध अपराध प्रमाणित पाये जाने पर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। विचारण उपरांत नवम अपर सत्र न्यायाधीश कटनी द्वारा अभियोजन के गवाहों एवं दस्तायवेज को विश्वसनीय पाते हुये आरोपी के ऊपर विरचित आरोप साबित पाते हुये आरोपी को अभियोक्त्री को अगवा कर दुष्कर्म करने के अपराध में दोषसिद्ध करते हुये कठोर दंड से दंडित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिलास्तरीय कार्यक्रम फुटबॉल स्टेडियम में हुआ आयोजित.....

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी 21 जून 2025, 11वा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिलास्तरीय कार्यक्रम जिला मुख्यालय स्थित फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख?य अतिथि के रूप सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते एवं विधायक सिवनी दिनेश राय शामिल हुए। इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डहेरिया, जिला भाजपा अध्यक्ष मीना बिसेन, कलेक्टर संस्कृति जैन, पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता, अपर कलेक्टर श्री सी एल चनाप, अपर कलेक्टर सुनिता खंडायत, आलोक दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों सहित छात्र छात्राओं की उपस्थिति

रही। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित जनों द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भोपाल से प्रसारित लाईव उद्बोधन को देखा एवं सुना गया तदोपरांत विशाखापटनम आंध्रप्रदेश से प्रसारित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी देखा सुना गया एवं सभी जनों द्वारा सामान्य योग प्रोटोकॉल का योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम के अंत में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा सभी को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया।

राजभवन में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के नेतृत्व में राजभवन में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजभवन में सामूहिक योगाभ्यास का नेतृत्व किया। राज्यपाल श्री पटेल के साथ करीब 150 प्रतिभागी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम राजभवन के सांदीपनि सभागार मे हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में ह्लएक पृथ्वी-एक स्वास्थ्यह्व थीम पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के विशाखापटनम कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी किया गया।योगाभ्यास कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता भी मौजूद थे।

योग के विभिन्न आसनों का हुआ अभ्यास

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। मुख्य रूप से ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, कटिचक्रासन, दण्डासन, वज्रासन, तितली आसन, उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन और शवासन किए। आसनों के बाद कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, आदि प्राणायाम किए। क्लैपिंग एवं लाफिंग थेरेपी के साथ सामूहिक योग कार्यक्रम का समापन हुआ। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के प्रारंभ में पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम के अंत में योग गुरू श्री राजीव जैन को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

40 जिलों के कलेक्टरों ने नहीं कराई एमआरपी से

अधिक कीमत पर शराब बिक्री की जांच

कलेक्टरों की मर्जी से भर रही ठेकेदारों की जेब

भोपाल। प्रदेश में शराब की बिक्री के लिए तय अधिकतम कीमत से भी महंगी शराब बेचने के मामले में कलेक्टरों की रुचि नहीं है। इसका फायदा शराब दुकान का ठेका लेने वाले ठेकेदार उठा रहे हैं। सरकार को एमआरपी से अधिक कीमत पर बिकने वाली शराब का पैसा मिल नहीं रहा है। लेकिन कलेक्टरों और आबकारी अफसरों की कार्रवाई न करने की लापरवाही का फायदा ठेकेदार उठा रहे हैं। कलेक्टरों की उदासीनता का अंदाजा इससे लगता है कि आबकारी आयुक्त के द्वारा जांच के निर्देश देने के बाद चालीस जिलों के कलेक्टरों ने इस तरह के मामलों में कोई जांच कराना जरूरी नहीं समझा है।

सिर्फ 15 जिलों में जांच हुई और तय कीमत से महंगी शराब बेचने पर 2 करोड़ 32 लाख का जुमार्ना शराब दुकान संचालकों पर लगाया है। आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने 13 मई को सभी जिला आबकारी अधिकारियों और सहायक आबकारी अफसरों को निर्देश जारी कर कहा था कि कई जिलों में अधिकतम विक्रय मूल्य (एमआरपी) से अधिक कीमत पर शराब बेची जाने की शिकायत मिली है। इसलिए एमआरपी और न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) से कम पर शराब बेचने वाले लाइसेंसियों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने इस मामले में 10 दिनों में कार्यवाही की रिपोर्ट आयुक्त कार्यालय में भेजने को कहा था। इसके बाद प्रदेश के सिर्फ 15 जिलों में जांच की गई है और इन जिलों में दुकानों पर निरीक्षण के दौरान एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचना पाया गया है। नई आबकारी नीति के तहत प्रावधान किया गया है कि एमआरपी से अधिक और एमएसपी से कम कीमत पर शराब की बिक्री होने पर सालाना लाइसेंस फीस के हिसाब से एक दिन की पेनाल्टी लगाई जाएगी। इस हिसाब से अलग अलग जिलों में शराब दुकानों पर अलग अलग पेनाल्टी लगाई गई है। नियम के अनुसार आबकारी अमले की जांच के दौरान जिस भी दुकान पर एमआरपी से अधिक मूल्य पर शराब बेची जाती है, उसके खिलाफ नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा जाता है। जवाब से संतुष्ट न होने पर पेनल्टी लगाने का प्रस्ताव संबंधित जिले के कलेक्टर को भेजा जाता है। जो पेनल्टी का आदेश जारी करते हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत के प्राचीन ज्ञान विज्ञान के वाहक योग के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति की पताका लहराई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डोंगला अब नगरी के रूप में विकसित हो रही है। उज्जैन काल की नगरी है और प्राचीन काल में समय गणना का प्रमुख केंद्र रहा है, यह काल गणना के केंद्र में पुनः स्थापित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन?द्र मोदी ने भारत के प्राचीन ज्ञान विज्ञान के वाहक योग के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति की पताका लहरा दी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन अनुसार आज की दुनिया युद्ध की नहीं अपितु अहिंसा और भगवान बुद्ध की दुनिया है। हमारी सनातन संस्कृति ताकत के प्रकटीकरण की जगह शिक्षा और विज्ञान से दुनिया के कल्याण की बात करती है। हजारों सालों से हमारे ऋषि मुनियों ने ध्यान से ज्ञान संकलित कर ज्ञान से विश्व कल्याण के कार्य किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में विद्यार्थियों से संवाद के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संपूर्ण विश्व के कोने-कोने में योग किया जा रहा है। योग के माध्यम से विश्व में व्यक्ति से व्यक्ति को जोड़कर शांति के द्वार प्रशस्त किये जा रहे हैं। पिछली कुछ सदियों में पश्चिम के विज्ञान को महत्व दिया गया, परन्तु 21वीं शताब्दी में भारतीय ज्ञान को महत्व दिया जा रहा है। कोविड के बाद से सभी को भारतीय संस्कृति के 'नमस्कार' की महत्ता समझ आई है। हमारा पुरातत्व ज्ञान सृष्टि के मूल्यवान वस्तुओं से भी ज्यादा बेशकीमती और महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां डोंगला वेधशाला स्थित शंकु यंत्र के माध्यम से सूर्य के परिचालन का माप लगाया जा सकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा में छोटे छोटे सिद्धांतों के माध्यम से हमारे पूर्वजों ने विज्ञान को हमारी जीवनशैली बना दी। वैज्ञानिक जीवनशैली ने हमारी संस्कृति को आज तक जीवित रखा है। संभवतः भगवान श्रीकृष्ण महाभारतकाल में नारायणा धाम से डोंगला तक इसी वेधशाला की खोज में आए। यह भगवान श्रीकृष्ण का वैज्ञानिक स्वरूप भी हो सकता है। डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला को अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च का केंद्र बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री विज्ञान भारती डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर चर्चा के दौरान प्राचीन भारतीय विज्ञान संबंधी प्रश्न आते है। हमारे यहां नक्षत्रों के आधार पर समय का मापन किया जाता है। भारतीय ज्ञान परंपरा का वाहक बनने का इस संवाद से आपको मौका मिला है। प्राचीन काल में यह स्थल गणना का केंद्र था, अपनी रिसर्च के माध्यम से हम इसे पुनः काल गणना का केंद्र बनाएंगे। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल और सांसद श्री फिरोजिया ने पौधा भेंट किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज?ज्वलन किया और विद्यार्थियों से चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाला में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम और बैग वितरित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, महानिदेशक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद डॉ. अनिल कोठारी, वैज्ञानिक गंटी एस मूर्ति, डॉ अरविंद रानाडे, जनप्रतिनिधि श्री राजेश धाकड़, श्री बहादुर सिंह चौहान, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक सकलेचा ने आजीविका मिशन में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी

पूर्व मुख्य सचिव और सहयोगी की लोकायुक्त में जांच शुरू

भोपाल। लोकायुक्त भोपाल ने कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक पारस सकलेचा की शिकायत के बाद पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस तथा आजीविका मिशन के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ जांच शुरू की है। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने 28 अगस्त 2023 को लोकायुक्त में शिकायत दर्ज की थी कि बैंस तथा बेलवाल ने पोषण आहार तथा अन्य योजनाओं में वर्ष 2018-19 से 2021-22 के 4 वर्षों में मात्र 8 जिलों में 500 करोड़ का भ्रष्टाचार किया, जिसका उल्लेख ऑडिटर जनरल ने मार्च 2025 में विधानसभा में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में भी किया। सकलेचा का आरोप है कि इकबाल सिंह बैंस ने पंचायत विभाग के अपने कार्यकाल में 2017 में अपने चहेते बेलवाल को वन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर लाकर आजीविका मिशन का सीईओ बना दिया था। दोनों ने षड्यंत्रपूर्वक पोषण आहार बनाने वाली सातों फैक्ट्री का कार्य एग्रो इंडस्ट्री कॉरपोरेशन से लेकर आजीविका मिशन को दे दिया। दिसंबर 2018 में कमलनाथ सरकार बनने पर आजीविका मिशन में घोटाले को देखते हुए सातों फैक्ट्री का कार्य पुनः एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन को दे दिया गया । 23 मार्च 2020 को पुनः शिवराज सरकार के आने पर दूसरे दिन ही इकबाल सिंह बैंस को मुख्य सचिव बना दिया गया।

एक वर्ष के लिए कांट्रेक्ट बेसिस मुख्य कार्यकारी अधिकारी बना दिया था

बैंस ने जून 2020 में 2018 में सेवानिवृत्ति ललित मोहन बेलवाल को एक वर्ष के लिए कांट्रेक्ट बेसिस पर आजीविका मिशन का पुनः मुख्य कार्यकारी अधिकारी बना दिया। बेलवाल की नियुक्ति के तत्काल बाद पोषण आहार बनाने वाली सातों फैक्ट्री का कार्य एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन से लेकर आजीविका मिशन को दे दिया गया।

ऑडिटर रिपोर्ट में खुलासा हुआ था

ऑडिटर जनरल ने 2018-19 से 2021-22 के 4 वर्षों में आठ जिलों की जांच में 481.79 करोड़ का घोटाला पाया। जिसका प्रतिवेदन मार्च 2025 में विधानसभा के पटल पर रखा गया। 2018 से 2021 तक पोषण आहार मे वितरण , परिवहन एवं गुणवत्ता के संबंध में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किया गया। जिसकी पुष्टि ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट से होती है।

तीन दिन पहले मिली जानकारी

सकलेचा ने बताया कि लंबी जांच के बाद इसी साल मार्च महीने में उनकी शिकायत पर लोकायुक्त ने जांच प्रकरण दर्ज किया। इस बात की जानकारी उन्हें दो दिन पहले आरटीआई के जवाब में मिली है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डोंगला में अत्याधुनिक तारामंडल का किया लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को उज्जैन जिले के डोंगला में अत्याधुनिक वराहमिहिर तारामंडल का लोकार्पण किया। इस आधुनिक तारामंडल में खगोल विज्ञान के रहस्यों के बारे में डोंगला आने वाले बच्चो और अगुंतको को 4' फिल्म के माध्यम से जानकारी दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वराहमिहिर वेधशाला तारामंडल में बच्चों के साथ बैठकर सूर्य विकिरण और उसके तरंगों के अध्ययन पर आधारित फिल्म को भी देखा।

उल्लेखनीय है कि आचार्य वराहमिहिर न्यास द्वारा अवादा फाउण्डेशन के आर्थिक सहयोग एवं डीप स्काई प्लेनेटेरियम, कोलकाता के तकनीकी सहयोग से डोंगला में अत्याधुनिक डिजीटल तारामंडल की स्थापना की गई है। तारामंडल में डिजीटल प्रोजेक्टर एवं डिजीटल साउण्ड सिस्टम भी लगाया गया हैं। इस वातानुकूलित गोलाकार तारामण्डल में 55 लोग एक साथ बैठकर रोमांचक अनुभव ले सकेंगे। इस तारामण्डल की लागत लगभग 1.6 करोड़ रुपए हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान तथा अध्यात्म का अद्भुत समावेश, उज्जैन जिले के डोंगला में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित हुई कार्यशाला

डोंगला की प्रतिष्ठा के साथ आधुनिकीकरण पर दिया जाएगा विशेष ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन जिले के काल गणना केंद्र डोंगला का देश में एक विशिष्ट स्थान है। डोंगला को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित करने के साथ ही यहां स्थापित वेधशाला के समय-समय पर आधुनिकीकरण के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा । मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को डोंगला में ह्ल खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपराह्लह्व पर केन्द्रित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के साथ डोंगला भी काल गणना का महत्वपूर्ण केंद्र है। डोंगला के विकास और आधुनिकीकरण के लिए समय-समय पर कार्य किया जाएगा। डोंगला की महत्ता सर्वविदित है। राज्य सरकार वैज्ञानिक प्रबंधन तथा वैज्ञानिक शोध के लिए कटिबद्ध है। प्राचीन भारतीय ज्ञान पर और अधिक रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर डोंगला में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित कार्यशाला का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमारा प्राचीन ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन भारतीय ज्ञान का समन्वय करते हुए आज के युग की समस्याओं के समाधान के लिए शासन द्वारा कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने उज्जैन के ऐतिहासिक महत्व,महापुरुषों और नगरी की प्रतिष्ठा पर चर्चा करते हुए सिंहस्थ स्नान के परम आध्यात्मिक आनंद को भी वर्णित किया। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि डोंगला भारतीय काल गणना का महत्वपूर्ण केंद्र है। भारतीय काल गणना में सूक्ष्म गणना को महत्व दिया गया है। डोंगला में प्राचीन भारतीय विरासत देखने को मिलती है, जहां विज्ञान आधारित शुद्ध भारतीय ज्ञान है । वैज्ञानिक डॉ. श्रीनिवासन ने राज्य शासन द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। डॉ. अरविंद रानाडेने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में विज्ञान के क्षेत्र में विकास के लिए सराहनीय कदम उठाए गए हैं। वे आमजन के साथ वैज्ञानिक समुदाय में भी लोकप्रिय है। राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश में नव प्रवर्तकों को आगे लाने के साथ ही नवाचार के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करेगा। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश में एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स तथा स्पेस टेक्नोलॉजी के सामंजस्य पर कार्य किया जा रहा है। उज्जैन तथा डोंगला काल गणना का केंद्र है। कार्यशाला कोमहाप्रबंधक आरआरएससी सेंट्रल इसरो भारत सरकार डॉ. जी. श्रीनिवासन तथा प्रोफेसर मूर्ति ने भी संबोधित किया ।

एमओयू हुआ साइन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान परंपरा डिवीजन नई दिल्ली तथा मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के मध्य एमओयू साइन किया गया। इसके अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपराके प्रमाणीकरण दस्तावेजीकरण तथा मानकीकरण का कार्य किया जाएगा । इसके अलावा आगामी मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ड्रोन एवं रोबोटिक्स हैकाथॉन पोस्टर का विमोचन किया गया। साथ ही आगामी जनवरी में भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा एमपीसीएसटी द्वारा आयोजित की जाने वाली अंर्तराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल , सांसद श्री अनिल फिरोजिया, श्री राजेश धाकड़, विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, विधायक श्री जितेन्द्र पंड्या , राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान के निदेशक डॉ. अरविंद रानाडे, राष्ट्रीय संयोजन भारतीय ज्ञान प्रणाली के राष्ट्रीय संयोजक प्रोफेसर जी.एस मूर्ति, डॉ. सोरभ शर्मा, महानिदेशक मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद श्री अनिल कोठारी, डॉ. रमन सोलंकी, डॉ. बृजेश पाण्डे, डॉ. नरेंद्र नाथ पात्रा, डॉ. गुंजन वर्मा भी कार्यशाला में सम्मिलित हुए। कार्यशाला का संचालन विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद के श्री तसलीम हबीब ने किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव महायज्ञ में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को उज्जैन प्रवास के दौरान सिंहस्थ बायपास रोड़ स्थित तिरुपती क्रिस्टल कालोनी में आयोजित किए जा रहे महायज्ञ में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर संत श्री टाटंबरी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा मंदिर में भगवान के दर्शन किए। इस दौरान महामंडलेश्वर रामदास जी त्यागी, श्री सियाराम दास जी पंछी घाट, महंत श्री ध्रुव दास जी महाराज सहित जनप्रतिनिधि एवं नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बने शिक्षक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 21 जून को होने वाली अद्भुत खगोलीय घटना डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में देखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंकु यंत्र पर परछाई परिचालन व्यवस्था में शून्य होती परछाई को देखा और उपस्थित सभी को सूर्य परिचालन से समय परिवर्तन और काल गणना को भी समझाया। उन्होंने शिक्षक के रूप में भारतीय ज्ञान परंपरा अनुसार खगोलीय विज्ञान की जानकारी सभी उपस्थित गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को समझाई। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, जनप्रतिनिधि श्री राजेश धाकड़, श्री बहादुर सिंह चौहान, महानिदेशक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद डॉ. अनिल कोठारी, अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, श्री शिवकुमार शर्मा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। क्षितिज वृत्त के धरातल पर निर्मित इस चबूतरे के मध्य में एक शंकु लगा हुआ है, जिसकी छाया से सूर्य का वेग लिया जाता है। इस गोल चबूतरे पर तीन रेखाएँ खींची हैं, जो सूर्य के उत्तरायण व दक्षिणायण की विभिन्न स्थितियों को दशार्ती हैं। सूर्य उत्तरायण के अन्तिम बिन्दु (राजून) पर जब होता है तब डोंगला में विशेष खगोलीय घटना होती है। दोपहर में 12:28 बजे शंकु की छाया लुप्त हो जाती है। इस घटना में यह सिद्ध होता है कि सूर्य की उत्तर परम क्रान्ति (23-26') व डोंगला के अक्षांश समान हैं। इस दिन (राजून) दिनमान सबसे बड़ा होता है। तत्पश्चात सूर्य दक्षिणायण की ओर गमन करने लगता है व दिनमान क्रमशः छोटा होने लगता है। इसी क्रम में जब सूर्य वृत्त (23 सेप्टेम्बर) पर होता है तो दिन-रात बराबर हो जाते हैं। दक्षिणायण के अन्तिम बिन्दु (मकर रेखा) पर सूर्य आ जाने की स्थिति में इस मन्त्र पर स्थापित शंकु की छाया सबसे लम्बी दिखाई देती है और दिनमान सबसे छोटा (22 दिसम्बर) होता है।

कीटनाशक गुणनियंत्रण हेतु दल गठित

कलेक्टर ने उड़नदस्ता दलों को दिये कार्रवाई के निर्देश

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जिले मे खाद की कमी व कालाबाजारी को लेकर कांग्रेस द्वारा ज्ञापन सौंपा गया था जिसके समाचार प्रकाशन के बाद कलेक्टर द्वारा जिले मे डीएपी यूरिया एवं कीटनाशक व अन्य खादों पर होने वाली कालाबाजारी रोकने के लिए उड़नदस्ता दल गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश मे कहा गया है कि जिले मे कीटनाशक व खादों की कालाबाजारी पर ठोस कार्रवाई करें। जिले में कृषकों को उत्तम गुणवत्ता का कृषि आदान उर्वरक बीज व कीटनाशक सुनिश्चित कराने और किसानों के अनुसार उर्वरकों का औद्योगिक एवं गैर कृषि कार्यों में उपयोग कालाबाजारी, अवैध भंडारण व परिवहन रोकने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने उड़नदस्ता दल गठित किया है। कलेक्टर ने जिला स्तरीय, अनुविभाग स्तरीय व विकासखंड स्तरीय दलों का गठन कर आवश्यक निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निदेर्शानुसार खरीफ 2025 में 10 जून 2025 से 10 अगस्त 2025 तक उर्वरक गुणनियंत्रण अंतर्गत सघन अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके अनुसार संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मप्र के अनुसार खरीफ 2025 में 30 जून तक कीटनाशक गुण नियंत्रण अंतर्गत संघन अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

कालाबाजारी पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर ने जारी आदेश में कहा है कि गठित दल निरीक्षण के दौरान कालाबाजारी, अवैध भंडारण व परिवहन, मिस ब्रांड, लाइसेंस के बिना सामग्री विक्रय, लाइसेंस में उल्लेखित कंपनी के अलावा अतिरिक्त बिना पीसी के सामग्री विक्रय एवं निर्धारित दल से अधिक दर पर विक्रय करते पाये जाने की स्थिति सख्त वैधानिक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। ऐसी स्थिति पाये जाने पर उर्वरक गुणनियंत्रण आदेश 1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, कीटनाशक अधिनियम 1968 एवं कीटनाशी नियम 1971, बीज अधिनियम 1966, बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत संबंधित का लायसेंस निरस्त करने और पुलिस प्राथमिकी- एफआई दर्ज कराकर सख्त वैधानिक कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही आवश्यक पड़ने पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस से सहयोग प्राप्त करेंगे। यदि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनियमितताओं की स्थिति निर्मित होती है, तो इसकी जिम्मेदारी क्षेत्रीय निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी की होगी। सभी दल अनुज्ञापन अधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग नरसिंहपुर के निर्देशन में कार्य संपादित करेंगे व प्रतिदिवस प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

अधिकारियों को सौंपा दायित्व

जारी आदेश के अनुसार जिला नरसिंहपुर कार्यक्षेत्र के लिए जिला स्तरीय दल क्रमांक एक में सहायक संचालक कृषि एईटीसी नरसिंहपुर डॉ. रश्मि ठाकुर को प्रभारी, संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय कृषि अधिकारी को निरीक्षक व सदस्य, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती विभा सिंह तोमर को जिला स्तरीय निरीक्षक, संबंधित क्षेत्र के निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को निरीक्षक व सदस्य एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी- कृषि स्नातक को सदस्य सहयोगी का दायित्व सौंपा है। इसी तरह जिला स्तरीय दल क्रमांक दो में सहायक संचालक कृषि- गन्ना नरसिंहपुर डॉ. अभिषेक दुबे को प्रभारी, संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय कृषि अधिकारी को निरीक्षक सदस्य, कृषि विस्तार अधिकारी पीएस कौशल को जिला स्तरीय निरीक्षक, संबंधित क्षेत्र के निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी को निरीक्षकध सदस्य एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी- कृषि स्नातक को सदस्य सहयोगी का दायित्व सौंपा है।

इनको बनाया गया प्रभारी

नरसिंहपुर, करेली एवं गोटेगांव के लिए अनुविभाग स्तरीय दल में प्र. अनु. वि. कृ. अधि. नरसिंहपुर श्रीमती शील्पी नेमा को प्रभारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती विभा सिंह तोमर को निरीक्षक सदस्य, संबंधित क्षेत्र के निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी को निरीक्षक सदस्य एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी- कृषि स्नातक को सदस्य सहयोगी का दायित्व सौंपा है। चीचली, सांईखेड़ा व चांवरपाठा के लिए अनुविभाग स्तरीय दल में अनु. वि. कृ. अधि. गाडरवारा श्रीमती पूजा पासी को प्रभारी, संबंधित क्षेत्र के निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी को निरीक्षक सदस्य एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी- कृषि स्नातक को सदस्य सहयोगी का दायित्व सौंपा है।

एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। 1 एमपी बटालियन एनसीसी जबलपुर के कमान अधिकारी कर्नल समीर बोडास, केंप कमांडेंट के निर्देशन में संचालित 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक शिविर- 103 का आयोजन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ,नरई नाला ,ग्राम बरबटी ,जबलपुर में किया गया। सीनियर डिवीजन, सीनियर विंग, जूनियर डिवीजन और जूनियर विंग के 531 एनसीसी कैडेट्स ने फौजी प्रशिक्षण के अंतर्गत ड्रिल, वेपन ट्रेनिंग, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट और बैटल क्राफ्ट जैसे सर्विस सब्जेक्टस का अध्ययन किया गया। सामाजिक एवं ललित कला गतिविधियों के अंतर्गत नारी सशक्तिकरण के सामाजिक संचेतक विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता, समसामयिक विषयों पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता, निबंध और वाद विवाद प्रतियोगिताओं में युवाओं ने अपने सटीक विचार प्रस्तुत किये। एनसीसी कैडेट्स ने एनसीसी के लक्ष्य एवं उद्देश्य, एनसीसी कैंप,हेल्थ- हाइजीन ,योगासन ,सूर्य नमस्कार, प्राणायाम ,ध्यान, अध्यात्म ,सिविल डिफेंस और अग्नि वीर आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया । उल्लेखनीय है कि उक्त कैंप में एम आई एम टी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर मेजर डॉ पराग नेमा कैंप एडजुडेंट और लेफ्टिनेंट जितेंद्र कुमार मिश्रा ने 62 सीनियर डिवीजन एवं 45 सीनियर विंग के एनसीसी कैडेट्स सहित प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए अलग-अलग प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विजेता के रूप में 50 मेडल प्राप्त किये। कैडेट्स ने वॉलीबॉल, खो-खो एवं टग आफ वार जैसे खेलो में भाग लेते हुए प्रतियोगिता में विजेता का खिताब अपने नाम किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कैडेट्स ने नृत्य, अभिनय, वादन और गायन कलाओं में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कैंप के दौरान मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ डायरेक्टरेट के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ब्रिगेडियर रजनीश गौर, एनसीसी ग्रुप हैडक्वाटर जबलपुर के ट्रेनिंग अफसर कर्नल जे.डी. चैधरी , लेफ्टिनेंट कर्नल रिटायर्ड विवेक चैहान, एवं सुनील कुमार गर्ग डिविजनल वार्डन सिविल डिफेंस जबलपुर का विजिट हुआ । एनसीसी कैडेट्स द्वारा पी आई स्टाफ के प्रशिक्षण अनुरूप ब्रिगेडियर गौर को गार्ड आफ आनर प्रदान किया गया । एनसीसी की ए, बी एवं सी सर्टिफिकेट की परीक्षाओं के लिए अत्यंत उपयोगी उक्त कैंप में थल सेना, इंटर ग्रुप कंपटीशन और फायरिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

योग दिवस आज, बच्चों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। शासकीय योग प्रशिक्षण केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय असेंबली हाल नरसिंहपुर में नियमित योग प्रशिक्षण में देवेन्द्र कुमार ढ़िमोले जिला योग प्रभारी के मार्गदर्शन में श्रीमति सुमित्रा ठाकुर विकास खंड योग प्रभारी, दीपक कुमार चैबे योग प्रशिक्षक द्वारा एस, के, चतुर्वेदी अध्यक्ष जिला योग समिति नरसिंहपुर की विशेष उपस्थिति में योगाभ्यास कराया जा रहा है। 11 वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने हेतु इस प्रशिक्षण केंद्र के बच्चों द्वारा योग प्रदर्शन हेतु नियमित योगाभ्यास किया जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि इस केंद्र में प्रातः 6:30 से 8 बजे तक नियमित योगाभ्यास कराया जा रहा है, जो निरंतर वर्ष भर कराया जाता है। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम बरमान स्थित दीपेश्वर मंदिर में आयोजित किया जायेगा।

गैर संस्थागत विद्यार्थियों हेतु प्रवेश प्रारंभ

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में शैक्षणिक सत्र 2025- 26 संस्थागत विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत विभिन्न संकायों में रिक्त स्थानों पर गैर संस्थागत विद्यार्थियों के प्रवेश ले सकते हैं। इसके लिए इच्छुक विद्यार्थियों से 20 जून 2025 से 24 जून 2025 तक आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। मेरिट सूची का प्रकाशन 26 जून को किया जायेगा। इसके पश्चात विद्यार्थी 30 जून तक प्रवेश ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में उपस्थित होकर या सूचना पटल पर देख सकते हैं। यह जानकारी प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने दी है।

बंशीलाल अहिरवार का हुआ प्रदेश स्तर पर सम्मान

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। भोपाल में आयोजित अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ अजाक्स का प्रांतीय वार्षिक अधिवेशन (साधारण सभा) का हिंदी भवन भोपाल में आयोजन किया गया। जिसमें संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों सहित प्रदेश के सभी जिलों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता अजाक्स के प्रांताध्यक्ष मान.जे एन कांसोटिया (आई ए एस)अपर मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन (गृह विभाग) द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान अजाक्स जिला नरसिंहपुर के जिला अध्यक्ष बंशीलाल अहिरवार को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान सहित शासकीय कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं महिला जागरूकता सहित सामाजिक जन जागरूकता व पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर प्रांताध्यक्ष महोदय मान. जे एन कंसोटिया आई ए एस अपर मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन गृह विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। बंशीलाल अहिरवार को सम्मानित होने पर अजाक्स जिला संघ नरसिंहपुर के समस्त पदाधिकारियों सदस्यों एवं शुभचिंतकों द्वारा बधाई प्रेषित की गई है।

मानसून की दस्तक सड़कों पर भरा पानी व गंदगी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। शुक्रवार की सुबह मानसून ने दस्तक दी और जोरदार बारिश से चारों तरफ पानी देखने को मिला। बारिश होने से गर्मी से लोगों को निजात मिला वही नगर पालिका प्रशासन के दावों की पोल भी खुलती नजर आई वारिश के साथ नालियों का मलवा सड़क पर आ गया और कई स्थानों पर गंदगी जमा हो गई तो कई जगह पानी का भराव हो गया। नगर के मध्य स्थित धनारे कालोनी गली नंबर एक मे भी पानी भर गया जिससे आने जाने मे लोगों को काफी परेशानी उत्पन्न हुई । वही कई वार्डो मे नाली का मलवा रोड पर आकर जम गया। वही जिला प्रशासन द्वारा नगर पालिका को बारिश के पूर्व नालियों की सफाई व उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए गए थे जिनका कितना पालन हुआ पहली बारिश मे ही सामने आ गया।

आत्म सुरक्षा हेतु दो दिवसीय जूडो प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। जीवन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बहुत आवश्यक है और यह प्रतिस्पर्धा विशेष कर खेलों में मुख्य रूप से देखी जाती है किसी भी खेल से जुड़ने पर बच्चों में अनुशासन और एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना तो जागृत होती ही है साथ ही साथ बच्चों में शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है और एकाग्रता भी बढ़ती है इसी भावना से ओतप्रोत भारत विका परिषद के आदर्श एवं प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की स्वस्थ समर्थ संस्कारित एवं विकसित भारत की परिकल्पना को पूर्ण करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद नरसिंहपुर की दोनों शाखाओं के संयुक्त तत्वावधान में 8 से 18 वर्ष के बीच के बच्चों के लिए जागरूकता अभियान के तहत दो दिवसीय आत्म सुरक्षा हेतु जूडो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन असेंबली हॉल में किया गया। जिसमें जुडो मास्टर ट्रेनर अशोक नामदेव द्वारा बच्चों को आत्म सुरक्षा हेतु डेमो द्वारा विभिन्न प्रकार की टेक्निक एवं ट्रिक्स बताई गईं। मुख्य रूप से इस शिविर को सफल बनाने में जूडो प्रशिक्षक अशोक नामदेव का सहयोग रहा।

सहकारी समिति के रिश्वतखोर प्रशासक को सजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। न्यायालय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, नरसिंहपुर नीतिराज सिंह सिसौदिया के न्यायालय द्वारा आरोपी शैलेन्द्र सिंह भाटी आयु 61 वर्ष, सहकारी निरीक्षक, कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता नरसिंहपुर को धारा 7(ख) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में दोषसिद्ध पाते हुये 3 वर्ष एवं 5000 रुपये व धारा 13(1)(ख) सहपठित धारा 13(2) में 4 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। अभियोजन मे बताया गया कि आरोपी द्वारा मजदूरी का पैसा निकालने के एवज दस हजार रूपए की रिश्वत मांगी गई थी। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी विशेष लोक अभियोजक रामकुमार पटेल द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी शैलेन्द्र सिंह भाटी को धारा 7(ख) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में दोषसिद्ध पाते हुये 3 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड व धारा 13(1) (ख) सहपठित धारा 13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 4 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

खेल-व्यापार

भारत में एक्सपोर्ट बैन होने के बाद दर-दर की ठोकरें खा रहा पाकिस्तान, सेंधा नमक बेचने के लिए यहां-वहां भटक रहे कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंधा नमक की खास किस्म 'हिमालयन पिंक सॉल्ट' के एक्सपोर्ट पर भारत में रोक लगाए जाने के बाद से पाकिस्तान के स्थानीय कारोबारियों ने अब नए बाजार तलाशने शुरू कर दिए हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से व्यापारिक संबंध पूरी तरह तोड़ दिए हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान इस खास किस्म के सेंधा नमक के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। पंजाब प्रांत में स्थित खेवड़ा में पाकिस्तान की सबसे बड़ी सेंधा नमक की खदान है और इसमें 30 प्रोसेसिंग यूनिट्स हैं।

2024 में 3.5 लाख टन सेंधा नमक का हुआ था निर्यात

पाकिस्तान ने साल 2024 में कुल 3,50,000 टन सेंधा नमक का निर्यात किया था जिसकी अनुमानित कीमत 12 करोड़ डॉलर है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद लगे व्यापार प्रतिबंधों से इस सेंधा नमक के निर्यातकों को झटका लगा है, जिसकी भारत में काफी मांग है। सेंधा नमक और उससे जुड़े उत्पादों की निर्यातक गनी इंटरनेशनल के सीनियर डायरेक्टर मंसूर अहमद ने कहा, ह्यहमभारत पाकिस्तान से इस सेंधा नमक का सबसे बड़ा आयातक रहा है। प्रतिबंध का मतलब है कि उस देश को कोई निर्यात नहीं हो रहा है।

पंत, गिल और जायसवाल ने बल्ले से कर दिया कमाल, इंग्लैंड में 23 साल बाद दोहराया गया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का 20 जून से आगाज हो चुका है। पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों ने कमाल का खेल दिखाया। युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने शानदार शतक जड़े। वहीं, दूसरे दिन पहले सेशन में ऋषभ पंत ने भी सैकड़ा जड़ते हुए इतिहास रचा। इस तरह पंत पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पछाड़कर सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। पंत ने अपने टेस्ट करियर का 7वां शतक जड़ा। पंत के शतक पूरा करने के बाद शुभमन गिल पवेलियन लौट गए। इसके कुछ देर बाद ऋषभ पंत भी आउट हो गए। जायसवाल और गिल के बाद पंत ने जैसे ही अपना सैकड़ा पूरा किया तो इंग्लैंड की सरजमीं पर बहुत बड़ा कारनामा दर्ज हो गया। दरअसल, लीड्स में 3 भारतीय बल्लेबाजों के शतक से इंग्लैंड की धरती पर 23 साल पुराने इतिहास की पुनरावृत्ति हो गई है। दरअसल, इंग्लैंड में 23 साल बाद ऐसा देखने को मिला है जब टेस्ट मैच की एक पारी में भारत की ओर से तीन या उससे ज्यादा शतक देखने को मिले हैं। इससे पहले साल 2002 में ऐसा कारनामा देखने को मिला था। तब राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए टेस्ट मैच की एक पारी में सेंचुरी जड़ी थी। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह छठी बार है जब विदेशी धरती पर टेस्ट मैच की एक पारी में भारत की ओर से लगे तीन या उससे ज्यादा शतक लगे हैं।

विदेशी धरती पर टेस्ट मैच की एक पारी में भारत की ओर से लगे तीन या उससे ज्यादा शतक- सुनील गावस्कर (172), क्रिस श्रीकांत (116) और मोहिंदर अमरनाथ (138) बनाम ऑस्ट्रेलिया, सिडनी, 1986

नवजोत सिंह सिद्धू (111), सचिन तेंदुलकर (143) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (126) बनाम श्रीलंका, कोलंबो, 1997

राहुल द्रविड़ (148), सचिन तेंदुलकर (193) और सौरव गांगुली (128) बनाम इंग्लैंड, लीड्स, 2002

वीरेंद्र सहवाग (180), राहुल द्रविड़ (146) और मोहम्मद कैफ (148*) बनाम वेस्टइंडीज, ग्रॉस आइलेट, 2006

दिनेश कार्तिक (129), वसीम जाफर (138), राहुल द्रविड़ (129) और सचिन तेंदुलकर (122*) बनाम बांग्लादेश, मीरपुर, 2007

यशस्वी जयसवाल (101), शुभमन गिल (144*) और ऋषभ पंत (105*) बनाम इंग्लैंड, लीड्स, 2025

10 करोड़ रुपए की लागत से एक दिन में 11 लाख पौधारोपण कार्य के लिए कायार्देश जारीः महापौर

शहर के विभिन्न उद्यानों में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की मॉग अनुसार 350 जिम उपकरणों की आपूर्ति का कार्य हो चुका है पूर्ण

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व में ढ़ाई वर्षो के कार्यकाल में लोककर्म विभाग के अंतर्गत क्रमशः वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 31 मार्च 2025 तक संस्कारधानी के देवतुल्य नागरिकों को अनेकों सौगात दी गई, जिसमें मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में सड़क, नाली के साथ ही स्वस्थ्य जीवन जीने के लिए स्वच्छ वायु में रहने के लिए उद्यान विभाग के अंतर्गत स्वच्छ वायु और स्वच्छ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगभग 6 अरब रुपए के विकास कार्य कराये जा चुके हैं। जिसके लिए नगर निगम जबलपुर का देश में दूसरा और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त हो चुका है और इसके लिए केन्द्र सरकार से उपहार एवं ईनाम स्वरूप अतिरिक्त राशि का आवंटन भी किया जा चुका है। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए महापौर श्री अन्नू ने बताया कि नगर निगम के लोककर्म विभाग के अंतर्गत 2.5 वर्ष के कार्यकाल में मुख्यमंत्री अद्योसंरचना मद में 26 करोड़ 32 लाख 92 हजार, कायाकल्प मद में 70 करोड़ 53 लाख 25 हजार, मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अद्योसंरचना मद में 40 करोड़ 15 लाख 77 हजार, संजीवनी क्लीनिक मद में 10 करोड़ 56 लाख 91 हजार, ए.क्यू.आई. मद में 21 करोड़ 91 लाख 42 हजार, एस.डी.एम.एफ. मद से 4 करोड़ 84 लाख 76 हजार, महापौर मद 10 करोड़ 12 लाख 99 हजार, अध्यक्ष मद में 5 करोड़ 83 लाख 88 हजार, पार्षद मद में 1 अरब 75 करोड़ 45 लाख 86 हजार, और निगम मद में 1 अरब 17 करोड़ 87 लाख, 38 हजार रुपए कुल लगभग 5 अरब रुपए के कार्य कराये जा चुके हैं। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि जिस प्रकार से लोककर्म विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की मॉग पर विकास के कार्य कराये गए हैं ठीक उसी प्रकार नगर निगम उद्यान विभाग के अंतर्गत भी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तथा सम्माननीय जनप्रतिनिधियों की मॉग अनुसार कार्य कराये गए हैं, जिससे शहर की वायु गुणवत्ता में व्यापक सुधार आया है और राष्ट्रीय स्तर पर संस्कारधानी का नाम गौरवांवित हुआ है। महापौर ने विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया कि उद्यान विभाग अंतर्गत विभिन्न उद्यानों का विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य एम.पी., एम.एल.ए. हाउसिंग बोर्ड मद इत्यादि योजनाओं से लगभग राशि 75 करोड़ रुपए की राशि से कुल 136 कार्य स्वीकृत हैं, जिसमें से 51 उद्यानों का सौन्दर्यीकरण एवं निर्माण कार्य तथा 12 अन्य उद्यानिकी बेंच आपूर्ति जिम उपकरण आपूर्ति, अलाव आपूर्ति आदि कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं प्रगतिरत उद्यानों की संख्या 36 एवं 11 अन्य उद्यान संबंधित कार्य हैं एवं 26 उद्यानों के विकास कार्यो की कार्यवाही प्रचलन में है, साथ ही शीतऋतु में अलाव वितरण की व्यवस्था कराई गई है। गांधी स्मारक तिलवारा में सबसे ऊँचा 75 मीटर का राष्ट्रीय ध्वज भी स्थापित किया गया है। 1 लाख पेड़, लैण्ड स्कैपिंग, ग्रीनवॉल, 50 फब्बारे सहित सिटी ब्यूटीफिकेशन के लिए 11 करोड़ रुपए के कार्य शुरू। 10 करोड़ रुपए की लागत से एक दिन में 11 लाख पौधारोपण कार्य के लिए कायार्देश जारी, वायु गुणवत्ता के सुधार हेतु शहर की मुख्य सड़कों के किनारे पेबर ब्लाक लगाने का कार्य भी प्रगतिरत है। शहर के विभिन्न उद्यानों में मॉग अनुसार कास्ट आयरन बेंच भी लगवाई गई है तथा सिविक सेन्टर पार्क के अंदर प्रदेश का पहला भारत माता का मंदिर का निर्माण कार्य भी प्रगतिरत है। इसके साथ ही शहर के विभिन्न उद्यानों में मॉग अनुसार 350 जिम उपकरणों की आपूर्ति का कार्य पूर्ण हो चुका है साथ ही शहर में प्रमुख स्थानों पर महापुरूषों की मूर्तियों का स्थापना हेतु एफ.आर.पी. मटेरियल एवं कास्ट आयरन मटेरियल से मूर्तियों का निर्माण कार्य भी प्रगतिरत है। शहर के विभिन्न डिवाइडरों में ग्रीनरी एवं रखरखाव तथा डिवाइडरों की पुट्टी पेंटिंग का कार्य भी प्रगतिरत है। कठौंदा में नगर निगम की नर्सरी का निर्माण किया गया, जिसमें अब तक लगभग 25 हजार पौधों को तैयार किया गया साथ ही सीजनल पौधे भी तैयार किये जा रहे हैं। डुमना नेचर पार्क हरित क्षेत्र विकास और राशी एवं नक्षत्र वाटिका एवं राशि गार्डन का निर्माण कार्य किया गया। भँवरताल गार्डन और डुमना नेचर पार्क को और भव्यता के साथ प्राकृतिक सौन्दर्य को विकसित किया गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हैंगिंग गार्डन भी बनाये गये हैं। इसके साथ ही आगामी 01 माह में 01 लाख पौधों का रोपण किये जाने का लक्ष्य निर्धारण किया गया है, जिसका शुभारंभ 05 जून पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर डुमना नेचर पार्क में 5 हजार पौधारोपण से किया गया है। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेकराम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र कौरव, जागेन्द्र सिंह, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

इस अंजुमन में आपको आना है बार-बार दीवारों दर को गौर से पहचान लीजिए

मुहम्मद अनवार बाबू
jabalpur@hotmail.com

तो दोस्तों, कभी एक स्कूल की इमारतें सिर्फ इमारतें नहीं होतीं। वे इतिहास होती हैं, भविष्य होती हैं, और उम्मीदों का वो पुल भी ... जिस पर चलकर किसी मजदूर का बेटा डॉक्टर बनता है, किसी ऑटो वाले की बेटी इंजीनियर। लेकिन आज बात एक ऐसे अंजुमन की हो रही है ... जिसके भीतर शिक्षा से ज्यादा राजनीति पनप रही है। जहाँ किताबों से ज्यादा लॉबियाँ चलती हैं। और जहाँ प्राचार्य का ट्रांसफर, सवालों का जवाब नहीं ... बल्कि सजा बन जाता है। मामला क्या है? अंजुमन इंग्लिश मीडियम स्कूल। एक समय में शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों में गिना जाता था। लेकिन आज? आज यह स्कूल एक प्रशासनिक 'तजुर्मा' बन चुका है ... जहाँ हर नया प्राचार्य पुराने झूठों में उलझता है और लॉबी की साज़िशों में हार जाता है। ताजा मामला भी कुछ ऐसा ही है। एक महिला प्राचार्य को ट्रांसफर कर दिया गया है। क्यों? क्योंकि उन्होंने स्कूल में अनुशासन लाने की कोशिश की। बच्चों की फीस माफ करवाई। रिजल्ट सुधारे। स्टाफ से क्लास लेने की रिपोर्ट माँगी। पर यही कोशिशें अपराध बन गईं। कौन हारता है? आप सोचिए... पिछले पाँच साल में पाँच प्राचार्य क्यों बदले गए? क्या हर बार गलती उन्हीं की थी? या फिर स्कूल के भीतर ही कोई ऐसी 'शिक्षक मंडली' है, जो हर उस व्यक्ति से परेशान हो जाती है ... जो काम करना चाहता है, करवाना चाहता है? इस बार तो सिर्फ ट्रांसफर नहीं हुआ, बल्कि जांच समिति भी बना दी गई है। जांच समिति ... जिसका सच हमें पहले से पता होता है। जहाँ निर्णय पहले हो चुका होता है, सबूत बाद में ढूंढे जाते हैं। सवाल वही हैं, जवाब कोई नहीं क्या जांच समिति में वे लोग भी बैठेंगे जिन्होंने लॉबी की सच्चाई कभी नहीं देखी? क्या शिकायत करने वालों से भी पूछा जाएगा कि वे क्लास में क्या कर रहे थे? क्या कोई यह भी बताएगा कि जब स्कूल में दाखिले बढ़ रहे थे, परिणाम सुधर रहे थे, तो प्राचार्य को क्यों हटाया गया? और सबसे जरूरी सवाल ... क्या यह स्कूल वाकई बच्चों के लिए है, या फिर कुछ शिक्षकों की सत्ता बचाने की प्रयोगशाला? उम्मीद कहाँ है? अब एक और शाखा ... अंजुमन इस्लामिया हिंदी मीडियम स्कूल ... जहाँ अब पहली से 12वीं तक की पढ़ाई शुरू हो चुकी है। प्रवेश निशुल्क है। फीस नाममात्र की। यह एक मौका हो सकता है ... उन अभिभावकों के लिए जो चाहते हैं कि उनके बच्चे सिर्फ स्कूल नहीं जाएं, बल्कि कुछ बनें, आगे बढ़ें, उड़ान भरें। और अंत में... प्राचार्य मैडम चली गईं। एक शाखा से दूसरी में। लेकिन सवाल वहीं खड़े हैं ... दीवारों पर, स्टाफ रूम की फाइलों में, और उस बच्चे की आँखों में ... जिसकी फीस माफ करवा कर उसे स्कूल में रोका गया था। यह ट्रांसफर नहीं था। यह उस सोच की हार थी जो स्कूल को स्कूल बनाना चाहती थी। अब देखना है कि जाँच समिति एक औपचारिक खानापूर्ति साबित होती है या कोई साहसिक निर्णय लेकर एक मिसाल बनती है। बाकी, अगला अध्याय जल्द आएगा। तब तक सवाल पूछिए। क्योंकि जो सवाल नहीं पूछते ... वे पहले स्कूल खोते हैं, फिर समाज और अंत में, खुद को। रिपोर्ट खत्म नहीं हुई है ... यह तो शुरूआत है। बाकी अगले अंक में पढ़े।

मुहम्मद अनवार बाबू
स्थानीय संपादक, रेवांचल टाइम्स

नगरीय निकायों की आयोजित समीक्षा बैठक के लिए निगमायुक्त ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियॉ

निगमायुक्त प्रीति यादव ने निर्धारित समय के पूर्व आवश्यक कार्यो को पूर्ण करने दिये निर्देश

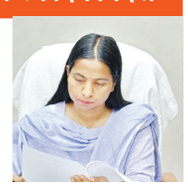

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल म.प्र. के द्वारा जारी निदेर्शों के अनुरूप दिनांक 23 जून 2025 को नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक नगरीय प्रशासन के आयुक्त लेगें। नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक की तैयारियों के संबंध में निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा एक आदेश जारी कर अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, मनोज श्रीवास्तव, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, संभव अयाची, कार्यपालन यंत्री नवीन लोनारे, जी.एस. मरावी, सहायक आयुक्त अंकिता बर्मन, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला, सहायक यंत्री अजय लवाना, फायर अधीक्षक कुसाग्र ठाकुर, कार्यालय अधीक्षक दिलीप दुबे, प्रशासनिक अधिकारी रवि राव, तकनीकी अधिकारी अंकुर खरे, बालेन्दू शुक्ला आदि को अलग-अलग उत्तरदायित्व सौपे गए हैं। जारी आदेश में निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा यह भी स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि सभी अधिकारी अपने अपने कार्य दायित्वों को निर्धारित तिथि एवं समय के पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर अवगत करायेगें।

भाजपा चिकित्सां प्रकोष्ठ का स्वास्थ्य शिविर अयोजित

योग दिवस पर मिला इलाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। योगदिवस के उपलक्ष्य? में भा ज पा चिकित्सा प्रकोष्ठ के द्वारा विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पश्चिम विधान सभा के विधायक लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देशन में भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर की अध्यक्षता में चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक डॉ. सचिन बुधौलिया संयोजन में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। स्वास्थ्य शिविर में 285 मरीजों का निशुल्क परीक्षण किया निशुल्क दवाईयां वितरण की गई शिविर में प्रदेश सहसंयोजक डॉ. अश्वनी त्रिवेदी दंत रोग विशेषज्ञ जिला संयोजक डॉ. विवेक जैन मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ प्रियंक दुबे जी , बी पी डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ आकाश गुहेरिया, डॉ.ब्रम्ह प्रकाश टी.वी. रोग विशेषज्ञ ,इलेक्ट्रो होम्यो विशेषज्ञ डॉ. वीरेन्द्र साहू एवं विक्टोरिया हास्पिटल से आई आखों के जांच की पूरी टीम शिविर में विशेष रूप में हड्डियों के कैल्शियम की जांच न्यू लाईफ केयर पैथोलॉजी द्वारा मुधमेह की निशुल्कं जांच एवं जरूरतमंदों के ब्लड सैंपल लिये गये शिविर में उपस्थित मरीजों को पेस्ट माउथ बॉस आदि दंत रोग विशेषज्ञ निशुल्क वितरण किया गया है। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने के लिए भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेश पटेल , भाजपा पूर्व पार्षद हदेश राजपूत, भाजपा सोशल मीडिया देवकुररिया, अधिवक्ता अनिल चौबे , पं. राजेश दुबे आचार्य, पंकज मिश्रा, जी.पी., तिवारी, उपेन्द्र साहू, आयुष दुबे, जिला सहसंयोजक चिकित्सां प्रकोष्ठ, डॉ. सचिन बुधौलिया की अहम भूमिका रही।

हनुमानताल पुलिस की सधी हुई कार्रवाई में नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, जबलपुर से मण्डला तक फैला था नेटवर्क

धंधे में जुड़ चुके थे कई चेहरे- गोरखपुर, जबलपुर संतोष श्रीवास्तव पिता स्व. कन्हैयालाल झ्र बिंझिया तिराहा, थाना कोतवाली, मण्डला अजय नवेरिया पिता स्व. राजकुमार झ्र सत्यम कॉलोनी, थाना कोतवाली, मण्डला जमनाप्रसाद पटेल झ्र निवासी शहपुरा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर की गलियों से लेकर दूसरे जिलों तक फैले फर्जी नोट कारोबार की चुपचाप परतें खुलनी शुरू हो गई हैं। एक मामूली मुखबिरी सूचना को गंभीरता से लेकर हनुमानताल पुलिस ने वह कर दिखाया, जो अक्सर सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाता है...एक सक्रिय, तकनीकी और तार्किक कार्रवाई के जरिए नकली नोटों के एक पूरे गिरोह का पदार्फाश।

शुरूआत जहां से हुई- 16 जून 2025 को हनुमानताल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक भारी मात्रा में नकली नोट लेकर मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान के पास मौजूद है। तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रवि दाहिया (निवासी शुक्ला होटल के पीछे, थाना घमापुर) को धर दबोचा। उसके पास से 500-500 रुपये के कुल 2 लाख 94 हजार रुपये के नकली नोट जब्त किए गए। सूत्र के हिसाब से छोटी लग रही यह गिरफ्तारी असल में एक बड़े नकली नोट रैकेट की पहली कड़ी साबित हुई।

मुख्य सरगना तक पहुंची पुलिस- रवि से पूछताछ में सामने आया कि वह सिर्फ डिलीवरी का काम करता था। असली नाम तब सामने आया, जब वह ऋतुराज विश्वकर्मा का नाम उगल बैठा। पुलिस ने बिना शोर किए, यशवंत नगर, थाना अधारताल में ऋतुराज के किराये के मकान पर दबिश दी और 17 जून को उसे गिरफ्तार कर लिया। ऋतुराज के घर से रंगीन प्रिंटर, लैपटॉप, कटर, नोट कटिंग शीट और तैयार नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह 8-9 महीनों से नकली नोट तैयार करने की तकनीक पर काम कर रहा था, और 1 असली नोट के बदले 3 नकली नोट लोगों को देता था।

धंधे में जुड़ चुके थे कई चेहरे- ऋतुराज ने बताया कि उसके बनाए नकली नोटों को आगे बढ़ाने का काम धीरज मनवानी, गौरव तिवारी और राकेश तिवारी कर रहे थे। इनके जरिए नकली नोट मण्डला के संतोष श्रीवास्तव और अजय नवेरिया तक पहुंचे। इन लोगों ने नकली नोटों के बदले में उसे कुल 12.50 लाख रुपये दिए थे, जिनमें से उसे महज 4 लाख असली नोट के तौर पर मिले। वहीं एक अन्य आरोपी जमनाप्रसाद पटेल (शहपुरा निवासी) को भी उसने 3 लाख रुपये नकली नोट दिए थे।

जांच में जुटी टीम ने निकाले और भी नाम- पुलिस ने गहराई से पड़ताल की और सभी नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। अजय नवेरिया के कब्जे से 9 लाख रुपये और जमनाप्रसाद पटेल के पास से 3 लाख रुपये के नकली नोट जब्त किए गए। अब तक की जांच में यह साफ हो गया है कि नकली नोटों का यह खेल बेहद व्यवस्थित ढंग से संचालित हो रहा था।

गिरफ्तार आरोपी- ऋतुराज विश्वकर्मा पिता स्व. राधेश्याम विश्वकर्मा झ्र ग्राम इमलिया कमती, थाना गोटेगाँव, नरसिंहपुर धीरज मनवानी पिता संतोष मनवानी झ्र द्वारका नगर, थाना घमापुर, जबलपुर गौरव तिवारी पिता रमाकांत तिवारी झ्र बृजमोहन नगर, थाना

सधी रणनीति, शांत कार्रवाई

इस पूरी कार्रवाई में हनुमानताल पुलिस का काम न दिखने वाला लेकिन असरदार रहा। टीम ने न कोई हो-हल्ला मचाया, न किसी मीडिया तामझाम के बीच में प्रदर्शन किया...बस काम किया। थाना प्रभारी धीरज राज ने फील्ड के अनुभव और संयम का बेजोड़ नमूना पेश किया। उनके निर्देशन में उप निरीक्षक कनक सिंह, रविन्द्र डुडवा, प्रधान आरक्षक सादिक अली, विनीत, सुग्रीव तिवारी, अजय डबराल, आरक्षक साजिद, जय किशोर, बृजेश तिवारी, हुलेश परस्ते, आशीष तिवारी ने पूरे मामले को रणनीतिक रूप से अंजाम तक पहुँचाया। साइबर सेल से प्रधान आरक्षक अमित पटेल और थाना शाहपुरा से आरक्षक राहुल ने तकनीकी सहायता देकर मामले को मजबूत बनाया।

जांच अब भी जारी... पुलिस को शक है कि इस गिरोह के तार अन्य जिलों, संभवतः अन्य राज्यों तक भी जुड़े हो सकते हैं। हर दिन जांच में नए नाम सामने आ सकते हैं।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

भव्यता के साथ मनाया जाएगा रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस

आज सुबह 06 बजे से रानी दुर्गावती मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन, भँवरताल वीरांगना रानीदुर्गावती की प्रतिमा स्थल से होगी शुरूआत

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोंडवाना की शान, संस्कारधानी की पहचान वीरांगना रानी दुर्गावती के 462वें बलिदान दिवस पर इस वर्ष भी नगर निगम एवं रानी दुर्गावती रक्षा अभियान समिति मित्र संघ-मिलन के संयुक्त तत्वाधान में उनका बलिदान दिवस भव्यता और पूर्ण गरिमा के साथ मनाया जाएगा। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू की अध्यक्षता में आज महापौर कार्यालय में आयोजित हुई बैठक में महापौर ने इस कार्यक्रम को पूर्ण गरिमामय तरीके से मनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 24 जून को बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली मैराथन दौड़ में भाग लेने वाले धावकों का समाधि स्थल से लेकर भंवरताल स्थित प्रतिमा स्थल तक के मार्ग पर जगह-जगह स्वागत कर उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। वहीं पूरे मार्ग पर जगह-जगह स्वागत द्वार भी बनाए जाएंगे। धावक दल का प्रमुख स्थानों पर स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा भी स्वागत किया जाएगा। रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर 24 जून को प्रातः बारहा स्थित समाधि स्थल पर सुबह 7:00 बजे महापौर सहित समस्त एमआईसी सदस्य, पार्षद एवं वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में वीरांगना रानी दुर्गावती को पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी तथा पुलिस बैंड दल एवं गॉर्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी फायर कर वीरांगना की शहादत को नमन किया जाएगा। इस दौरान महापौर श्री अन्नू की उपस्थिति में धावक दल को मशाल प्रज्जवलित कर शपथ ग्रहण करवाई जाएगी। इसके पश्चात महापौर वीरांगना की शहादत को याद करते हुए मशाल प्रज्जवलित कर धावक दल को सौपेंगे। धावक दल वहां से मशाल लेकर समाधि स्थल से तकरीबन 19 कि.मी. की दूरी तय करते हुए भंवरताल स्थित वीरांगना दुर्गावती की विशालकाय प्रतिमा के समक्ष पहुँचेंगे। यहां पर जनप्रतिनिधि मशाल ग्रहण कर प्रतिमा स्थल के समक्ष स्थापित करेंगे। इस अवसर पर वीरांगना रानी दुर्गावती को शौर्य और अपनी मातृभूमि के प्रति शहादत को नमन करते हुए पुनः श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। पुलिस बैंड दल, फायर दल एवं घुड़सवार दलों की उपस्थिति में गॉर्ड ऑफ ऑनर के साथ सलामी फायर कर वीरांगना को सलामी दी जाएगी। बैठक के दौरान महापौर श्री अन्नू ने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के संबंध व्यवस्था के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये। महापौर ने कहा कि इस कार्यक्रम में वीरांगना को श्रद्धांजलि देने के लिए सभी पार्षदगणों एवं अधिकारीगणों से उपस्थित रहने का आग्रह किया है। बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य विवेकराम सोनकर, अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, खेल अधिकारी राकेश तिवारी, उद्यान अधिकारी आलोक शुक्ला, प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, दुर्गास्मृति रक्षा अभियान मित्रसंघ - मिल के संयोजक सच्चिदानंद शेकटकर, कापोरेशन एथलेटिक संघ सचिव महेन्द्र विश्वकर्मा, सह संयोजक परितोष वर्मा आदि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी:पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार; 10 लाख रुपए ऐंठे थे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर की ओमती पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी उड़िया मोहल्ला के रहने वाले हैं और उन्होंने 2021-22 के दौरान सहायक ग्रेड-2 और ग्रेड-3 में नौकरी लगवाने का झांसा देकर दो लोगों से पैसे वसूले थे। पीड़ितों ने बताया कि आरोपी अब तक करीब 10 लाख रुपए ले चुके हैं और हर बार झूठे वादे करते रहे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने हिमांशु यादव और नीलचंद यादव को हिरासत में लिया और शनिवार को कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। जबलपुर के ग्वारीघाट और गोरखपुर क्षेत्र के रहने वाले विनोद सेन और रामप्रसाद सेन की साल 2021 में हिमांशु यादव से पहचान हुई थी। बातचीत के दौरान हिमांशु ने बताया कि उसकी मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में अच्छी पहचान है और वह सहायक ग्रेड-2 और 3 की वैकेंसी में उनकी नौकरी लगवा सकता है। इसके एवज में उसने दोनों से 5-5 लाख रुपए की मांग की। भरोसा दिलाने के लिए हिमांशु ने उन्हें अपने साथी नीलचंद यादव से मिलवाया और दोनों ने फर्जी फार्म भरवाकर पैसे जमा करने को कहा। विनोद ने 3.54 लाख और रामप्रसाद ने लगभग 5.5 लाख रुपए हिमांशु को दे दिए, लेकिन दो साल गुजरने के बाद भी न तो कोई जॉइनिंग लेटर मिला और न ही नौकरी लगी। बार-बार पूछने पर हिमांशु सिर्फ यह कहता रहा कि प्रक्रिया चल रही है। ओमती सीएसपी सोनू कुर्मी ने बताया कि 2021-22 में दिए गए करीब 10 लाख रुपए की शिकायत फरियादियों ने 2024 में की थी। पुलिस लगातार इसकी जांच कर रही थी। शिकायतकर्ता और फरियादियों की बयान लिए गए। जांच में पता चला कि हिमांशु और नीलचंद ने योजनाबद्ध तरीके से दोनों को पहले तो हाईकोर्ट में नौकरी लगवाने का झांसा दिया और फिर उनसे करीब 10 लाख रुपए ले लिए।

निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देश पर पिंक सिटी के अतिक्रमण हटे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देश पर संभाग क्रमांक 11 के अंतर्गत आने वाले पिंक सिटी क्षेत्र एवं उसके आस पास के इलाकों के अतिक्रणों को हटाने की कार्रवाई की गयी। यह कार्रवाई वर्षाऋतु के दौरान वर्षाजल निकासी की व्यवस्था में कोई भी अतिक्रमण अवरोध उत्पन्न न करे जिसके कारण अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गयी। अब इन क्षेत्रों में वर्षाऋतु के दौरान वर्षाजल की निकासी सुगमता पूर्वक हो सकेगी और नागरिकों को राहत मिलेगी। कार्यवाही भवन शाखा और अतिक्रमण विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से की गयी। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से, उपयंत्री अभिषेक तिवारी, समयपाल दनैया कोरी अतिक्रमण दल प्रभारी लक्ष्मण कोरी उपस्थित रहे। मनीष तड़से ने बताया कि नाले के किनारे पक्के निर्माण को भवन शाखा द्वारा 307 (2) एवं 307 (3) के नोटिस जारी कर नाले की जगह पर स्थापित पक्के निर्माण को हटाया गया। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा पिंक सिटी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान ही उन्होंने अतिक्रमण के कारण वर्षा जल निकासी की व्यवस्था बाधित होने की संभावना व्यक्त की थी, इसके समाधान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवैध रूप से अतिक्रमण कर निकासी की व्यवस्था को अवरूद्ध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए थे। निदेर्शों के परिपालन में आज उक्त कार्रवाई की गयी।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार, कार्यकारिणी संपादक विक्रम सेन* RNI. Reg. No MPHIN39695 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592